डाक पंजिकृत ए/बी 123/21.23

झुग्गी झोपड़ी

प्रयागराज से प्रकाशित. हम बनेंगे आपकी आवाज हिन्दी दैनिक

Website : www.jhuggijhopri.com www.jjnews.in प्रयागराज,सोमवार.14 नवंबर,2022 वर्ष–07 / अंक–184 प्रष्ठ–08 / मूल्य–2 रूपये

कांग्रेस बना रही टीपू सुल्तान की मूर्ति लगाने की योजना

कर्नाटक कांग्रेस मैसूर या श्रीरंगपट्टनम में टीपू सुल्तान की मूर्ति लगाने की योजना बना रही है। शनिवार को इस बारे में मैसूर में कांग्रेस के वरिष्ठ विधायक और पूर्व मंत्री तनवीर सैत ने जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हमारी 18वीं शताब्दी के शासक टीपू सुल्तान की 100 फुट ऊंची प्रतिमा स्थापित करने की योजना है। उनके इस कदम का कांग्रेस नेता सिद्धारमैया ने स्वागत किया है। वहीं, भाजपा ने इसकी आलोचना की है। राज्य के मंत्री और भाजपा नेता सी एन अश्वथ नारायण ने कहा कि कर्नाटक में ऐसा कभी नहीं हो सकता है।

कांग्रेस बना रही टीपू सुल्तान की प्रतिमा स्थापित करने की योजना

मौसूर में पत्रकारों से वार्ता करते हुए कांग्रेस नेता तनवीर सैत ने कहा कि टीपू सुल्तान की प्रतिमा स्थापित करने को लेकर शीघ्र ही समुदाय के नेताओं से वार्ता करके निर्णय लिया जाएगा। इस दौरान उन्होंने यह भी कहा कि वे अकेले नहीं हैं। उन्होंने कहा कि समुदाय के नेताओं के साथ, मूर्तियों को स्थापित करने पर अदालतों द्वारा लगाए गए प्रतिबंध, मूर्ति की स्थापना के लिए अनुमति और उसके स्वरूप आदि के विषय में विमर्थ किया जाएगा।

उन्होंने आगे कहा कि प्रतिमा स्थापित करने के पीछे उनका उद्धेश्य लोगों, खासकर युवाओं को टीपू सुल्तान के शासन की वास्तविकताओं और स्वतंत्रता संग्राम में उनके योगदान के बारे में बताना है। उन्होंने कहा कि श्इस्लाम में मूर्तियां स्थापित करने की कोई अनुमति नहीं है। अगर इसकी अनुमति होती, तो हर जगह मूर्तियां होतीं। इसके बावजूद, मैंने टीपू के शासन को प्रकाश में लाने के इरादे से ऐसा कहा है। जो एक लोकतांत्रिक सरकार का मॉडल था।

गौरतलब है कि कांग्रेस नेता ने टीपू सुल्तान की प्रतिमा स्थापित करने की योजना को लेकर उस समय बयान दिया है जब कल यानी शुक्रवार को पीएम मोदी ने राज्य की राजधानी बैंगलुरू में नादप्रभु केंपेगौड़ा की 108 फीट की प्रतिमा का अनावरण किया था। वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स के अनुसार, किसी शहर के संस्थापक की यह पहली और सबसे ऊंची कांस्य प्रतिमा है। इसे समृद्धि की मूर्ति कहा जाता है।

भाजपा ने दी चेतावनी

कांग्रेस नेता के इस प्रस्ताव का विरोध होना भी शुरू हो गया है। भाजपा और कई दक्षिणपंथी समूहों ने टीपू की प्रतिमा के प्रस्ताव का विरोध किया है। श्रीराम सेना प्रमुख प्रमोद मुतालिक ने तो यहां तक चेतावनी दी है कि इसे बाबरी मस्जिद की तरह ही ध्वस्त कर दिया जाएगा। वहीं, केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने इसे तुष्टीकरण की राजनीति का हिस्सा बताते हुए कहा कि भाजपा की राय स्पष्ट है कि टीपू सुल्तान एक धार्मिक कट्टर, हिंदू विरोधी और कन्नड़ विरोधी शासक था। उन्होंने कहा कि सरकार सही समय पर इस चाल का जवाब देगी। उन्होंने आगे कहा कि पुलिस और सरकारी व्यवस्था है। किसी भी प्रतिमा की स्थापना के लिए सरकार की अनुमति की आवश्यकता होती है। उन्हें इस तरह के प्रस्ताव के साथ आने दें। वहीं, राज्य के मंत्री अश्वथ नारायण ने कहा कि टीपू की प्रतिमा स्थापित करना सपना ही रहेगा। कर्नाटक में ऐसा कभी नहीं हो सकता। उन्हें इसे कहीं और करना होगा।

विपक्ष के नेता सिद्धारमैया ने खड़ा किया सवाल भाजपा के पलटवार के बीच, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सिद्धारमैया ने सरकार से सवाल किया है। उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि श्टीपू की मूर्ति क्यों नहीं लगाई जानी चाहिए? उन्हें करने दें। क्या टीपू इसके लायक नहीं हैं?

संक्षिप्त सार

हवाई अड्डे का करेंगे उद्घाटन पीएम मोदी इसी महीने अरुणाचल का दौरा करेंगे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसी महीने पूर्वोत्तर की यात्रा पर अरुणाचल प्रदेश आ रहे हैं। इसी दौरान वे अरुणाचल प्रदेश में बने हवाई अड्डे डोनी पोलो का उद्घाटन करेंगे। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक प्रधानमंत्री पूर्वोत्तर की यात्रा पर आ रहे हैं। वे इस दौरान 19 नवंबर को अरुणचाल प्रदेश के डोनी पोलो हवाई अड्डे का उद्घाटन करेंगे। यह हवाई अड्डा बनकर तैयार हो चुका है और उद्घाटन के इंतजार में है। उन्होने बताया कि डोनी पोलो हवाई अड्डे पर आईएलएस स्थापित किया गया है, जिसमें एक लोकलाइजर, एक ग्लाइडपथ और दूरी मापने के उपकरण शामिल हैं।

ईडब्ल्यूएस आरक्षण से एससी–एसटी और ओबीसी को अलग रखने का मामला

आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों (ईडब्ल्यूएस) के लिए 10 फीसदी आरक्षण से अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़े जातियों को बाहर किए जाने के विषय पर कई पार्टियां विरोध कर रही हैं। तो वहीं कांग्रेस में इस बात पर मंथन चल रहा है कि इस मुद्दे पर विरोध किया जाए कि नहीं।

सूत्रों ने शनिवार को कहा कि कांग्रेस का इस मुद्दे पर क्या रुख होगा, इसके लिए इन दिनों वह गहन 'राजनीतिक समीक्षा' कर रही है। उन्होंने कहा कि एक बार समीक्षा प्रक्रिया पूरी हो जाने के बाद फैसला किया जा सकता है कि क्या पार्टी किसी कानूनी उपाय का सहारा लेगी।

कांग्रेस महासचिव ने उठाए सवाल

वहीं कांग्रेस महासचिव प्रभारी जयराम रमेश ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने 2004 से लगातार यह रुख अपनाया है कि वह अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़े वर्ग के लिए मौजूदा आरक्षण को प्रभावित किए बिना सभी समुदायों में आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए शिक्षा और रोजगार में आरक्षण का समर्थन करती है।

आगे जयराम रमेश ने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने 3–2 के फैसले में जनवरी 2019 में संसद द्वारा पारित संविधान के 103वें संशोधन को बरकरार रखा है। सभी पांचों न्यायाधीश 103वें संविधान संशोधन में आर्थिक कमजोर श्रेणी (ईडबल्यूएस) के लिए आरक्षण देने पर सहमत थे। उनका कहना है कि तीन न्यायाधीशों ने राय दी है कि ईडब्ल्यूएस श्रेणी से अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और ओबीसी को बाहर रखा जा सकता है। उनमें से प्रत्येक ने अपनी–अपनी स्थिति के लिए अलग–अलग कारण बताए हैं।

उन्होंने कहा कि दो न्यायाधीशों की राय थी कि एससी, एसटी और ओबीसी को ईडब्ल्यूएस श्रेणी से बाहर करना असंवैधानिक है। उन्होंने कहा कि कई अन्य दलों के साथ कांग्रेस ने संसद में संविधान संशोधन विधेयक का समर्थन किया था, जबकि उसने इस पर अधिक विस्तृत जांच के लिए एक संयुक्त संसदीय समिति की मांग की थी। साथ ही कहा कि पांच न्यायाधीशों में से प्रत्येक ने इस संबंध में अनेक मुद्दों को उठाया है। कांग्रेस पार्टी इनका विस्तार से अध्ययन कर रही है।

आप–कांग्रेस ने जारी की उम्मीदवारों की एक और सूची

आम आदमी पार्टी (आप) ने आगामी गुजरात विधानसभा चुनावों के लिए तीन और उम्मीदवारों के नाम का शनिवार को एलान कर दिया। हालांकि, अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली पार्टी ने अभी तक अपने मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार इसुदान गढ़वी के लिए निर्वाचन क्षेत्र तय नहीं किया है। 15वीं सूची के साथ आप 182 सदस्यीय विधानसभा चुनाव के लिए अब तक 176 उम्मीदवारों के नामों की घोषणा कर चुकी है।

नई सूची में आप ने महेंद्र परमार और महेंद्र पाटिल को टिकट दिया है। महेंद्र परमार सिद्धपुर और महेंद्र पाटिल उधना से चुनाव लड़ेंगे। पार्टी ने खेड़ा जिले के मातर निर्वाचन क्षेत्र में महिपतसिंह चौहान की जगह लालजी परमार को टिकट दिया है। इस बीच 'आप' ने भावनगर से कोली समुदाय के नेता राजू सोलंकी को अपना राष्ट्रीय संयुक्त सचिव नियुक्त किया है।

कांग्रेस ने जारी चौथी लिस्ट

Aam Aadmi Party-Gujarat
State office :-
Bungalow-3, Near Hanuman Temple, Behind Mount Carmel School,
Ashram Road, Navrangpura, Ahmedabad-380009.
Tel: 079-4898 4548 • Email- info.aapgujarat@gmail.com

Election Symbol: Broom

Fifteenth List of Candidates

Aam Aadmi Party hereby announces its Fifteenth List of Candidates for the upcoming 2022 Gujarat Assembly Elections:

S. No.	AC No.	AC Name	Candidate Name
1	19	Sidhpur	Mahendra Rajput
2	115	Matar	Lalji Parmar
3	164	Udhana	Mahendra Patil

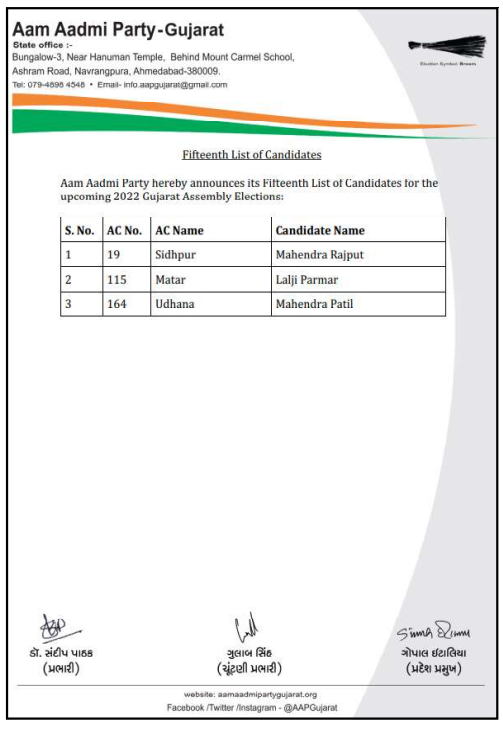

ડૉ. સંદીપ પાઠક (પ્રભારી) ગુલાબ સિંહ (ચૂંટણી પ્રભારી) ગોપાલ ઇટાલિયા (પ્રદેશ પ્રમુખ)

website: aamaadmipartygujarat.org
Facebook /Twitter /Instagram - @AAPGujarat

इस बीच कांग्रेस ने गुजरात चुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों की चौथी सूची जारी की। इसमें नौ प्रत्याशियों के नाम का एलान किया गया है। पार्टी अब तक कुल 104 उम्मीदवारों की घोषणा कर चुकी है। कांग्रेस ने पिछले शुक्रवार को चुनाव के लिए 43 उम्मीदवारों की अपनी पहली, गुरुवार को 46 उम्मीदवारों की दूसरी और शुक्रवार को सात उम्मीदवारों की तीसरी सूची जारी की थी। तीसरी सूची में एक सीट पर उम्मीदवार बदला गया था।

कांग्रेस उम्मीदवारों की चौथी सूची के अनुसार, द्वारका से मलूभाई कंडोरिया, भावनगर ग्रामीण से रेवत सिंह गोहिल, भावनगर पूर्व से बलदेव सोलंकी और भरूच से जयकांत भाई पटेल को टिकट दिया है। गुजरात में दो चरणों में एक और पांच दिसंबर को मतदान होगा। मतगणना आठ दिसंबर को होगी।

नरेंद्र मोदी स्टेडियम का नाम बदलने का वादा

कांग्रेस ने कहा कि अगर वह गुजरात चुनाव में सत्ता में आती है, तो अहमदाबाद के मोटेरा क्षेत्र में स्थित नरेंद्र मोदी स्टेडियम का नाम फिर से सरदार पटेल स्टेडियम कर देगी। अपने चुनावी घोषणापत्र में कांग्रेस ने यह भी कहा कि वह राज्य सरकार द्वारा 2002 के बिलकीस बानो मामले में 11 दोषियों को समय से पहले जेल से रिहा करने की छूट को रद्द कर देगी।

भाजपा के पांच नेता निर्दलीय लड़ सकते हैं

इस बीच टिकट न दिए जाने से खफा भाजपा के कम से कम एक मौजूदा विधायक और चार पूर्व विधायकों ने निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ सकते हैं। पार्टी के कुछ असंतुष्ट नेताओं ने कहा है कि वे अपने समर्थकों से परामर्श करने के बाद अपना अगला कदम उठाएंगे, लेकिन भाजपा के पूर्व विधायक हर्षद वसावा ने शुक्रवार को नंदोड (अनुसूचित जनजाति आरक्षित) सीट से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में अपना नामांकन पत्र दाखिल कर दिया।

भाजपा विधायक की आलोचना की

इस बीच, भाजपा के दिवंगत नेता हरेन पंड्या की पत्नी जागृति पांड्या ने एलिसब्रिज के विधायक राकेश शाह के बयान पर पलटवार किया है। उन्होंने शनिवार को विधायक राकेश शाह के उस कथित बयान पर कड़ी आपत्ति जतायी जिसमें राकेश शाह के कार्यकाल के दौरान उनके निर्वाचन क्षेत्र में पार्टी के वोट शेयर की उनके पति के समय के वोट शेयर के साथ तुलना की गयी थी। हालांकि, राकेश शाह ने कहा कि उन्होंने अहमदाबाद शहर में स्थित इस निर्वाचन क्षेत्र में पार्टी के वोट शेयर के बारे में कभी बात नहीं की। जब 1990 के दशक में हरेन पांड्या दो बार यहां से जीते थे।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की शहर इकाई के प्रमुख और भारत के गृहमंत्री अमित शाह को लिखे एक पत्र में जागृति पांड्या ने एक मीडिया रिपोर्ट का हवाला दिया। इस रिपोर्ट में राकेश शाह ने कथित तौर पर कहा था कि हरेन पांड्या द्वारा जीते गए 66 प्रतिशत वोटों की तुलना में 1995 में जब उन्होंने चुनाव लड़ा तो पार्टी का वोट शेयर बढ़कर 80 फीसदी हो गया था। इस पर पलटवार करते हुए जागृति पंड्या ने कहा कि जब उनके दिवंगत पति ने पहली बार 1990 में बीजेपी के टिकट पर इस सीट से चुनाव लड़ा था, तब पार्टी को केवल 5.45 फीसदी वोट मिले थे। उन्होंने कहा कि अपने अथक प्रयास से मेरे पति ने मतदाताओं के बीच भाजपा के लिए एक अलग जगह बनाई और 1995 में उन्हें 72 फीसदी वोट मिले और पार्टी विजयी हुई।

AICC PRESS RELEASE

ASSEMBLY ELECTIONS - 2022

GUJARAT

The candidates selected by the Central Election Committee of Congress for the ensuing first phase of elections to the Legislative Assembly of Gujarat

Sl. No.	No & Name of Constituency		Candidates Selected
1	82	Dwarka	Malubhai Kandoria
2	91	Talala	Mansinh Dodiya
3	92	Kodinar - SC	Mahesh Makwana
4	103	Bhavnagar Rural	Revatsinh Gohil
5	104	Bhavnagar East	Baldev Majibhai Solanki
6	107	Botad	Ramesh Mer
7	150	Jambusar	Sanjay Solanki
8	153	Bharuch	Jaykantbhai B Patel
9	178	Dharampur - ST	Kishanbhai Vestabhai Patel

For favour of Publication.

All India Congress Committee 24, Akbar Road New Delhi-11

(MUKUL WASNIK)
General Secretary
Incharge CEC
12th November, 2022

प्रधानमंत्री मोदी कल इंडोनेशिया होंगे रवाना, जी20 समिट में करेंगे शिरकत

इंडोनेशिया में 14 नवंबर से शुरू हो रहे जी20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए पीएम मोदी कल बाली रवाना होंगे। विदेश सचिव विनय क्वात्रा ने बताया, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कल से इंडोनेशिया के बाली में 17वें जी–20 शिखर सम्मेलन में शामिल होंगे। बाली शिखर सम्मेलन के दौरान, पीएम मोदी और अन्य जी20 नेता वैश्विक अर्थव्यवस्था, ऊर्जा, पर्यावरण, कृषि, स्वास्थ्य और डिजिटल परिवर्तन समेत कई मुद्दों पर विचार–विमर्श करेंगे।

क्वात्रा ने बताया, शिखर सम्मेलन के दौरान तीन वर्किंग सेशन होंगे, जिसमें प्रधानमंत्री प्रतिभाग करेंगे। इनमें खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा, डिजिटल परिवर्तन और स्वास्थ्य जैसे मुद्दे शामिल हैं।

वहीं इंडोनेशिया में भारतीय राजदूत मनोज कुमार भारती ने कहा, भले ही प्रधानमंत्री मोदी का इंडोनेशिया का यह दौरा बहुत छोटा हो, लेकिन रणनीतिक रूप से यह दौरा बहुत ही महत्वपूर्ण रहने वाला है।

गोरखपुर शहर में नहीं हो रही नियमित फॉगिंग

पिछले दिनों उद्योग बंधुओं की बैठक में व्यापारियों ने नगर निगम पर नियमित फॉगिंग नहीं कराने का आरोप लगाया था। अब यही बात डीएम के आदेश पर 55 वार्डों के निरीक्षण में भी सामने आई है। शुक्रवार को डीएम को सौंपी रिपोर्ट में अधिकारियों ने कहा है कि अधिकतर कॉलोनियों में नियमित फॉगिंग नहीं हो रही है। इसके बाद डीएम ने नगर निगम को नियमित फॉगिंग कराने का निर्देश दिया है। जिले में डेंगू के मरीजों की बढ़ती संख्या के मद्देनजर डीएम कृष्णा करूणेश ने बृहस्पतिवार की सुबह जिला स्तरीय अधिकारियों को डेंगू प्रभावित क्षेत्रों समेत अलग-अलग 55 कॉलोनियों का औचक निरीक्षण कर शाम तक रिपोर्ट देने का निर्देश दिया था। विभिन्न अधिकारियों ने शुक्रवार देर रात तक अपनी रिपोर्ट डीएम को सौंप दी।

डीएम को सौंपी रिपोर्ट में ज्यादातर अधिकारियों ने इस बात का जिक्र किया है कि अधिकतर कॉलोनियों में दो या तीन दिनों के अंतराल पर फॉगिंग हो रही है। हालांकि, सफाई व्यवस्था सही है। डोर-टू-डोर कूड़ा उठान की व्यवस्था भी ठीक है। वहीं, कुछ मोहल्लों में पाया गया कि नालियों की नियमित सफाई नहीं होती है। लोगों ने इसकी शिकायत भी की है।

डीएम ने नगर निगम के अधिकारियों को निर्देश दिया है कि सभी वार्डों में नियमित फॉगिंग कराई जाए। विशेषकर डेंगू प्रभावित इलाकों में तो अनिवार्य तौर पर नियमित फॉगिंग की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। डीएम ने नगर आयुक्त को पत्र लिखकर जिन वार्डों में फॉगिंग की व्यवस्था सही नहीं मिली है उन वार्डों में संबंधित की जिम्मेदारी तय करने का निर्देश दिया है। उन्होंने फॉगिंग एवं एंटी लार्वा स्प्रे के नियमित छिड़काव एवं वार्ड में साफ-सफाई व्यवस्था को और बेहतर करने का निर्देश दिया है।

इधर, फॉगिंग और एंटी लार्वा के छिड़काव में जुटी नगर निगम की टीम डेंगू पर नकेल के लिए नगर आयुक्त ने अधिकारियों और कर्मचारियों की फौज उतार दी है। नगर निगम के सभी अधिकारियों समेत 150 कर्मचारी लगाए गए हैं। नगर आयुक्त अविनाश सिंह ने कई स्थानों पर फॉगिंग और एंटी लार्वा का छिड़काव कराया।

नगर निगम की ओर से संचारी रोग नियंत्रण एवं डेंगू के प्रभाव को कम करने के लिए शुक्रवार को 45 साइकिल और दो बड़ी मशीनों से फॉगिंग, 16 गाड़ियों से सोडियम हाइपो क्लोराइड के छिड़काव के अलावा सौ कर्मचारियों ने घासीकटरा, मिर्जापुर, निजामपुर गोड़ियाना, भरपूरवां, बिछिया, झरना टोला, रायगंज, कांशीराम, धर्मशाला बाजार, एमआरएफ सेंटर, नेताजी सुभाषचंद्र बोस नगर कॉलोनी, रामजानकी नगर, मानबेला आदि कॉलोनियों में छिड़काव किया। नगर आयुक्त ने बताया कि डेंगू की रोकथाम के लिए नगर निगम के कर्मचारियों के अलावा अधिकारियों को भी लगाया गया है।

गोरखपुर-अहमदाबाद एक्सप्रेस के समय में बदलाव

वंदे-भारत एक्सप्रेस के संचालन की वजह से 16 नवंबर को अहमदाबाद से प्रस्थान करने वाली 19489 अहमदाबाद-गोरखपुर एक्सप्रेस के छायापुरी स्टेशन पर एवं 21 नवंबर से बांद्रा से प्रस्थान करने वाली 19091 बांद्रा-गोरखपुर एक्सप्रेस के सूरत एवं वडोदरा स्टेशनों पर आगमनध प्रस्थान समय में संशोधन किया गया है। सीपीआरओ पंकज कुमार सिंह ने बताया कि अहमदाबाद से 16 नवंबर से प्रस्थान करने वाली अहमदाबाद-गोरखपुर एक्सप्रेस दिन में 10.55 पहुंचकर 11.00 बजे प्रस्थान करेगी। बांद्रा से 21 नवंबर से प्रस्थान करने वाली बान्द्रा-गोरखपुर एक्सप्रेस दिन में 08.30 सूरत पहुंचकर 08.35 बजे और वडोदरा 10.35 बजे पहुंचकर 10.45 बजे प्रस्थान करेगी।

दरभंगा-आनंद विहार वाया गोरखपुर स्पेशल कल

दरभंगा-आनंद विहार टर्मिनस-दरभंगा द्वि-साप्ताहिक त्योहार स्पेशल का संचालन रविवार को किया जाएगा। 05527 दरभंगा-आनंद विहार टर्मिनस त्योहार स्पेशल दरभंगा से दोपहर 1.15 बजे प्रस्थान कर अगले दिन दोपहर एक बजे आनंद विहार पहुंचेगी। वापसी यात्रा में 05528 आनन्द विहार टर्मिनस-दरभंगा त्योहार स्पेशल आनंद विहार टर्मिनस से दोपहर 3.30 बजे प्रस्थान कर दूसरे दिन 3.45 बजे दरभंगा पहुंचेगी।

परिवर्तित मार्ग से चलेंगी ट्रेनें

उत्तर मध्य रेलवे के आगरा सिटी-राजा की मंडी ब्रांच लाइन पर निर्माण कार्य की वजह से कुछ गाड़ियां परिवर्तित मार्ग से चलाई जाएंगी।

गोरखपुर से 17 नवंबर से 22 दिसंबर तक प्रस्थान करने वाली 15045 गोरखपुर-ओखा साप्ताहिक एक्सप्रेस यमुना ब्रिज आगरा-आगरा फोर्ट-आगरा छावनी के रास्ते चलाई जाएगी।

ओखा से 13 नवंबर से 18 दिसंबर तक प्रस्थान करने वाली 15046 ओखा-गोरखपुर साप्ताहिक एक्सप्रेस आगरा छावनी-आगरा फोर्ट-यमुना ब्रिज आगरा के रास्ते चलाई जाएगी।

सूरत से 16 नवंबर से 16 दिसंबर तक प्रस्थान करने वाली 19053 सूरत-मुजफ्फरपुर साप्ताहिक एक्सप्रेस आगरा छावनी-आगरा फोर्ट-यमुना ब्रिज आगरा के रास्ते चलाई जाएगी।

मुजफ्फरपुर से 13 नवंबर से 18 दिसंबर तक प्रस्थान करने वाली 19054 मुजफ्फरपुर-सूरत साप्ताहिक एक्सप्रेस यमुना ब्रिज आगरा-आगरा फोर्ट-आगरा छावनी के रास्ते चलाई जाएगी।

अब बेटे के इलाज के लिए मां ने बेचे गहने

प्यार में हुआ धोखा तो युवक ने गलैंडर से गला काट कर जीवन लीला समाप्त करने का प्रयास किया। युवक अस्पताल में जिंदगी की जंग लड़ रहा है। उसके इलाज के लिए परिजनों को मुसीबतों का सामना करना पड़ रहा है। बेटे के इलाज के लिए मां ने गहने बेच दिए तो पिता ने जमीन गिरवी रख दी है।

पुरंदरपुर क्षेत्र के एक गांव निवासी युवक हैदराबाद में काम के सिलसिले में गया। युवक का दो दिन पूर्व सोशल मीडिया में गलैंडर से गला काटने का वीडियो वायरल हुआ था। वह एक युवती से प्यार में धोखा खाने का जिक्र करते हुए खुद गलैंडर से गला काट लिया।

जानकारी परिजनों को हुई तो तत्काल हैदराबाद के लिए रवाना हो गए। परिवार की हालत ठीक न होने के कारण बेटे के इलाज के लिए रुपये जुटाना भारी पड़ा तो मां ने गहने बेच दिए। पिता ने जमीन गिरवी रख दी। भाई भी पैसे के लिए रिश्तेदारों के यहां भटक रहा है। पड़ोसी भी मदद कर रहे हैं।

बड़े भाई ने बताया कि इलाज काफी महंगा साबित हो रहा है। जिसके लिए पूरा परिवार परेशान है। बताया जा रहा है कि युवक के गले में 15 टांके लगे हैं। फिर भी अब तक बोलने की स्थिति में नहीं है। परिवार के लोग युवक के स्वस्थ होने की उम्मीद लगाए हुए हैं। सीओ कोमल प्रसाद मिश्र का कहना है कि घटना दूसरे जगह की है। युवक के गला काटने का वीडियो वायरल हुआ है। तहरीर के आधार पर कार्रवाई होगी।

विधानसभा का वोटर बनने के लिए आठ दिसंबर तक मौका

गोरखपुर-फैजाबाद स्नातक निर्वाचन व निकाय चुनाव के लिए वोटर अभियान के बाद अब विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र का वोटर बनने के लिए भी मतदाता पुनरीक्षण अभियान शुरू हो गया है। नौ नवंबर से शुरू हुए इस अभियान में आठ दिसंबर तक वोटर बनने के लिए आवेदन पत्र जमा किया जा सकता है। 12, 20, 26 और चार दिसंबर को विशेष अभियान चलेगा। इस दौरान सभी बूथों पर नाम जोड़ने, काटने और संशोधन समेत सभी तरह के आवेदन पत्रों के साथ बीएलओ मौजूद रहेंगे। जिला निर्वाचन अधिकारीध्डीएम कृष्णा करूणेश ने बताया कि निर्वाचन आयोग के निर्देश पर शुरू हुए इस मतदाता पुनरीक्षण अभियान में एक जनवरी 2023 को 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले युवा भी वोटर बन सकते हैं। निर्वाचक नामावलियों का आलेख प्रकाशन नौ नवंबर को किया जा चुका है। दावे और आपत्तियां प्राप्त करने यानी वोटर बनने के लिए आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि आठ दिसंबर 2022 है। दावे और आपत्तियों का निस्तारण 26 दिसम्बर 2022 तक तथा निर्वाचक नामावलियों का अंतिम प्रकाशन पांच जनवरी 2023 को होगा।

विज्ञापन दर

समाचार पत्र का साइज 25x32

फुल पेज कलर प्रथम पेज 74 हजार रूपये मात्र।
फुल पेज कलर अंतिम पेज 49 हजार रूपये मात्र।
फुल पेज B/W प्रथम पेज 35 हजार रूपये मात्र।
फुल पेज B/W अंतिम पेज 19 हजार रूपये मात्र।
4x6 प्रथम पृष्ठ 3000 और दूसरी पेज 2000 ब्लैक
और कलर प्रथम पृष्ठ 5000 दुतीय पेज 3000
क्लासीफाइड विज्ञापन 250 रूपये मात्र।
क्लासीफाइड मंथली पांच हजार रूपये मात्र।
कोर्ट नोटिस प्रथम पार्टी 450 रूपये मात्र।
अधिक जानकारी के लिए कार्यालय मे सम्पर्क करे।
9918366626

रोजाना क्षमता से अधिक उत्पादन कर रहा खाद कारखाना,

एक साल के भीतर ही गोरखपुर खाद कारखाना न केवल पूरी क्षमता के साथ दौड़ने लगा बल्कि क्षमता से अधिक उत्पादन करने लगा है। पिछले एक सप्ताह से कारखाने में रोजाना चार हजार मीट्रिक टन यूरिया का उत्पादन हो रहा है जबकि कारखाने की उत्पादन क्षमता 3850 मीट्रिक टन है। फरवरी से अब तक कारखाने से चार लाख मीट्रिक टन यूरिया, पूर्वांचल समेत प्रदेश के अन्य हिस्सों में भेजी जा चुकी है। यही नहीं, कारखाने की मशीनें लगाने वाली जापानी कंपनी टोयो ने अब इसे हिन्दुस्तान उर्वरक एवं रसायन लिमिटेड (एचयूआरएल) को हैंडओवर कर दिया है। यानी अब मशीनों के संचालन एवं रख-रखाव की भी पूरी जिम्मेदारी एचयूआरएल की हो गई है। करीब तीन दशक बाद दोबारा शुरू हुए इस कारखाने ने मई 2022 में रोजाना तीन हजार मीट्रिक टन से अधिक का उत्पादन शुरू कर दिया था। 20 जुलाई तक कारखाने से 3619 मीट्रिक टन का उत्पादन शुरू हो गया था। अब कारखाना अपनी क्षमता से अधिक उत्पादन करने लगा है। दिसंबर 2021 में प्रधानमंत्री मोदी ने कारखाने का शुभारंभ किया था। फरवरी 2022 से कारखाने में नियमित उत्पादन शुरू हुआ। शुरूआत में 1,800 से 1,900 मीट्रिक टन यूरिया का उत्पादन हो रहा था। पूर्वांचल के साथ पश्चिम यूपी, बिहार तक जा रही यूरिया एचयूआरएल की ओर से स्थापित खाद कारखाने से बनने वाला यूरिया गोरखपुर समेत पूरे पूर्वांचल और पश्चिम यूपी व बिहार तक भेजा जा रहा है। गोरखपुर खाद कारखाने के प्रिलिंग टॉवर की ऊंचाई दुनिया के खाद कारखानों में सबसे अधिक (149.5 मीटर) होने की वजह से यहां बनने वाली यूरिया खास है। यूरिया के दाने काफी छोटे होते हैं, जो खेतों में जल्द घुल जाते हैं। गोरखपुर खाद कारखाना के वरिष्ठ महाप्रबंधक सुबोध दीक्षित ने कहा कि खाद कारखाने से तय क्षमता से अधिक उत्पादन हो रहा है। रोजाना 104-105 फीसदी यानी चार हजार मीट्रिक टन खाद का उत्पादन हो रहा है।

पिछले साल कुल 67 थे, इस साल अब तक मिल चुके हैं 203 मरीज

गोरखपुर में डेंगू मरीजों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। जिले में मरीजों का आंकड़ा 200 के पार पहुंच गया है। शुक्रवार को तीन साल के मासूम समेत पांच डेंगू संक्रमित मिले हैं। इसके बाद से कुल मरीजों की संख्या 203 हो गई है। यह संख्या पिछले साल मिले मरीजों के मुकाबले तीन गुना से अधिक है। पिछले साल कुल मरीजों की संख्या 67 थी। बताया जा रहा है कि शेषपुर के दीवान दयाराम मोहल्ले में लगभग हर घर में चार से छह लोग डेंगू से संक्रमित हैं। लेकिन, विभाग के आंकड़ों में यह दर्ज नहीं है। जबकि, इन लोगों ने एनएस-वन किट से जांच कराई है। वहीं विभाग इस जांच को मानने से इनकार कर रहा है। विभाग एलाइजा रिपोर्ट पॉजिटिव आने पर ही बीमार को डेंगू पीड़ित मान रहा है।

स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही की वजह से मरीजों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। स्थिति यह हो गई है कि शहर से लेकर गांव तक में डेंगू के मरीजों की संख्या एक हजार से अधिक है। लेकिन, विभाग इसे मानने को तैयार नहीं है।

जिला मलेरिया नियंत्रण अधिकारी अंगद सिंह ने बताया कि शुक्रवार को पादरी बाजार का 42 और जंगल रामलखना का 35 वर्षीय युवक डेंगू पीड़ित मिले हैं। मोतीराम अड्डा की तीन वर्षीय बच्ची और पिपराइच का 11 वर्षीय बालक में भी संक्रमण मिला है। रजही की 23 वर्षीय युवती भी डेंगू पीड़ित है। मौजूदा समय में जिला अस्पताल में नौ मरीजों का इलाज चल रहा है।

मलेरिया विभाग की टीम ने तिवारीपुर, निजामपुर, मधोपुर और सूर्यकुंड में जाकर डेंगू मरीजों की जांच की। तीन घरों में जमा पानी में मच्छरों के लार्वा मिले हैं। इन्हें नोटिस जारी कर सख्त हिदायत दी गई है कि अगली बार जांच में लार्वा मिलने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

स्वास्थ्य विभाग केवल एलाइजा जांच से पॉजिटिव आने वालों को ही डेंगू संक्रमित मान रहा है। यही वजह है कि विभाग के आंकड़े में केवल 203 मरीज हैं। जबकि, एनएस-वन किट से हुई जांच में प्रतिदिन 25 से 30 मरीज पॉजिटिव मिल रहे हैं। इस जांच के लिए मरीजों को 600 से 800 रुपये भी खर्च करने पड़ रहे हैं। इसके बाद भी विभाग इन्हें मरीज नहीं मान रहा है।

ठंड का मौसम आते ही बदला ड्रेस सेंस पंचबन्धु गारमेंट में वैरायटीज की बहार

शंकरगढ़(प्रयागराज) मौसम के बदलने से तापमान में भी गिरावट होने लगा है जिससे ठंड का असर भी लोगों को महसूस होने लगा है । मौसम के बदलने व तापमान गिरने से लोगों को बहुत से बीमारियों का सामना करना पड़ता है । खासकर इस बदलते मौसम में बूढ़े और बच्चों को कई तरह की बीमारियों का सामना करना पड़ता है । ठंड़ के बढ़ने से अधिकतर लोगों में सर्दी,जुकाम व बुखार का होना आम बात हो गयी है । जैसे – जैसे ठंडी बढ़ रही है लोग ठंड से बचने के लिए कई तरह के उपाय कर रहे हैं । ऐसे में लोगों की भीड़ उनी कपड़ों की खरीदारी के लिए जुट रही है । वहीं लोग खानपान में कई तरह के परहेज कर रहे हैं । ठंड से बचाव के लिए लोगों की भीड़ रेडीमेड कपड़ों के दुकानों पर बढ़ने के साथ – साथ रजाई बनाने वाले दुकानों पर भीड़ बढ़ने लगी है । क्या कहते हैं दुकानदार मौसम के बदलाव से जहां ठंड बढ़ने लगी है । वही बढ़ती ठंड को देखते हुए लोगों की भीड़ अब गर्म कपड़े के लिए बाजारों मे बढ़ने लगी है । रेडीमेड पंचबंधु गारमेंट लाइनपार पटहट रोड शंकरगढ़ दुकानदार नरेंद्र सिंह व दीपेंद्र सिंह ने बताया कि पहले इक्का – दुक्का लोग गर्म कपड़े खरीदने के लिए आते थे । लेकिन जैसे – जैसे ठंड में बढ़ोतरी हो रही है । वैसे वैसे गर्म कपड़े की मांग बढ़ने लगी है । अभी लोगों का ज्यादातर ध्यान बच्चों और बूढ़ों के गरम कपड़ों पर है । ठंड को देखते हुए सभी तरह के गर्म कपड़े दुकानों में उपलब्ध है । इतना ही नहीं ग्राहकों की सुविधा के लिए हरेक तरह का रेंज भी दुकानों में रखा गया है ।

नगर निगम चुनाव को लेकर सपा की पहली बैठक में लिए गये महत्वपूर्व निर्णय दृ

प्रयागराज। नगर निगम चुनाव को लेकर समाजवादी पार्टी की चयन कमेटी की पहली बैठक आज महानगर कार्यालय में निवर्तमान महानगर अध्यक्ष सैयद इफ्तेखार हुसैन की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक के आरम्भ में महानगर महासचिव रवीन्द्र यादव एडवोकेट ने प्रदेश नेतृत्व द्वारा कमेटी के गठन, आवेदन फार्म के प्रारूप, वितरण, जमा करने एवं आवेदकों की योग्यता आदि के बारे में प्रपत्र पढ़कर सुनाया।तत्पश्चात पार्टी के उपस्थित नेताओं ने नगर निगम चुनाव में मेयर एवं पार्षद प्रत्याशियों की जीत के लिए हर स्तर पर जुट जाने का संकल्प लिया।बैठक में तय किया गया कि प्रत्याशियों को पार्टी का सक्रिय सदस्य होने के साथ साथ समाजवादी पार्टी की बुलेटिन का आजीवन सदस्य होना अनिवार्य है। मेयर एवं सभी 100वार्डों के आवेदन फार्म महानगर कार्यालय चौक में सोमवार से उपलब्ध रहेंगे। फार्म का कोई शुल्क नहीं रखा गया है।आरक्षण घोषित होने के बाद ही निर्धारित प्रपत्र पर आवश्यक संलग्नकों के साथ आवेदन पत्र जमा किये जायँगे। बैठक को सम्बोधित करते हुए पार्टी के नेताओं ने पूरी एकजुटता के साथ बूथ स्तर पर जुट जाने एवं पार्टी के प्रत्याशियों की जीत सुनिश्चित होने तक चौन नहीं लेने का संकल्प लिया।बैठकमें प्रमुख रूप से सर्व श्री सैयद इफ्तेखार हुसैन, रवीन्द्र यादव एडवोकेट, पूर्व सांसद धर्मराज पटेल, एम एल सी डॉ मान सिंह यादव, पूर्व एम एल सी बासुदेव यादव, पूर्व विधायक हाजी परवेज अहमद,पूर्व प्रत्याशी संदीप यादव,पूर्व जिलाध्यक्ष गण श्री कमल सिंह यादव, कृष्ण मूर्ति यादव, पूर्व महानगर अध्यक्ष गण पप्पूलाल निषाद, अब्दुल सलमान, आदि नेता गण मौजूद रहे।

सरकार और संगठन मिलकर करेंगे डेंगू को परास्त लक्ष्मण आचार्य

13 नवंबर प्रयागराज, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं विधान परिषद सदस्य लक्ष्मण आचार्य जी के नेतृत्व में भाजपाइयों ने राजापुर क्षेत्र के सड़क और गली के मोहल्लो में उतर कर डेंगू के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए एंटी लारवा का छिड़काव एवं फागिंग का कार्य किया इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सरकार और संगठन मिलकर डेंगू को परास्त करेंगे और जनता को हर प्रकार से राहत देने का कार्य करेंगे। इस अवसर पर भाजपा महानगर अध्यक्ष गणेश केसरवानी ने कहा कि डेंगू से निपटने के लिए भारतीय जनता पार्टी की कार्यकर्ता स्वयंसेवक की भांति डेंगू से पीड़ित लोगों की आम जनमानस की सहायता के लिए सेवा कार्य करने के लिए तैयार है। मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी ने बताया कि डेंगू पीड़ित और आम जनता की सहायता के लिए जल्द से जल्द भारतीय जनता पार्टी प्रयागराज महानगर के द्वारा नगर निगम एवं डॉक्टरों की कि हेल्पलाइन टीम का गठन किया जाएगा। इस अवसर पर सांसद रीता बहुगुणा जोशी ,सांसद केसरी देवी पटेल, भाजपा महानगर अध्यक्ष गणेश केसरवानी, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अवधेश चंद्र गुप्ता ,एमएलसी के पी श्रीवास्तव ,मेयर अभिलाषा गुप्ता पार्षद किरन जायसवाल राजेश केसरवानी, विजय श्रीवास्तव, विवेक अग्रवाल, वरुण केसरवानी प्रमोद मोदी गौरी शंकर वर्मा, एवं भारतीय जनता पार्टी के क्षेत्र के पदाधिकारी कार्यकर्ता उपस्थित रहे

डेंगू से निपटने के लिए जनप्रतिनिधि अपने क्षेत्र में सजग रहे (लक्ष्मण आचार्य)

13 नवंबर प्रयागराज, डेंगू महामारी को लेकर चंद्रशेखर आजाद सर्किट हाउस में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष लक्ष्मण आचार्य जी ने जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक करते हुए कहा कि डेंगू के प्रकोप से निपटने के लिए जनप्रतिनिधि सजग रहे और अपने क्षेत्रों में कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर डेंगू पीड़ितों की सहायता करें और एंटी लारवा फागिंग की पूरी व्यवस्था करें

मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी ने बताया कि बैठक में उन्होंने जनप्रतिनिधियों से डेंगू प्रभावित क्षेत्रों में किए जा रहे कार्यों की रिपोर्ट मांगी

बैठक में मुख्य रूप से सांसद केसरी देवी पटेल, सांसद रीता बहुगुणा जोशी, विधायक सिद्धार्थ नाथ सिंह, एमएलसी के पी श्रीवास्तव ,
महापौर अभिलाषा गुप्ता, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अवधेश चंद्र गुप्ता ,भाजपा महानगर अध्यक्ष गणेश केसरवानी, आदि रहे

आदित्य हास्पिटल पर फर्जी अल्ट्रासाउंड रिपोर्ट देकर धन की वसूली करने का आरोप

तिल्हापुर मोड़ स्थित आदित्य हॉस्पिटल के संचालक पर युवक ने फर्जी अल्ट्रासाउंड रिपोर्ट देकर ध न वसूली करने का आरोप लगाया है। युवक ने शनिवार को अस्पताल संचालक के खिलाफ एसडीएम से शिकायत कर जांच कराकर कार्रवाई करने की गुहार लगाई है। चरवा थाना क्षेत्र के बरियांवा गांव निवासी रणवीर कुमार ने बताया कि उसकी पत्नी सकूना गर्भवती है। शुक्रवार को उसे पीड़ा हुई। रणवीर ने पत्नी को तिल्हापुर मोड़ स्थित आदित्य हास्पिटल में भर्ती कराया। आरोप है कि डॉक्टर ने अल्ट्रासाउंड कर उसके गर्भ में दो बच्चा होने की बात कही। डॉक्टर ने बताया कि एक बच्चा खराब हो गया है। उसके इलाज में तीस हजार रुपये का खर्च आएगा। मामले की जानकारी मिलने के बाद युवक के होश उड़ गए। वह पत्नी को लेकर मंझनपुर मुख्यालय पहुंचा और वहां दूसरा अल्ट्रासाउंड कराया। वहां की रिपोर्ट में एक ही बच्चा गर्भ में निकला। दो अलग–अलग रिपोर्ट को देख युवक के होश उड़ गए। शनिवार को उसने तिल्हापुर मोड़ स्थित अस्पताल संचालक के खिलाफ एसडीएम से शिकायत कर कार्रवाई की गुहार लगाई।

वरिष्ठ नागरिक सम्मान समारोह आरोग्यं हाल विनीता हॉस्पिटल में धूमधाम से संपन्न हुआ, 110 लोगों को पुष्प, सम्मान पत्र, स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया

गवर्नमेंट पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन प्रयागराज एवं विनीता हॉस्पिटल प्राइवेट लिमिटेड फाफामऊ प्रयागराज के संयुक्त तत्वावधान में आरोग्यं हाल विनीता हॉस्पिटल, फाफामऊ ,प्रयागराज में गवर्नमेंट पेंशनर्स वरिष्ठ नागरिकों का निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण, सम्मान एवं सह भोज समारोह बड़े धूमधाम से संपन्न हुआ जिसमें लगभग 110 वरिष्ठ नागरिकों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें गुलाब पुष्प ,सम्मान पत्र व उपहार भेंट कर मंच से सम्मानित किया गया कार्यक्रम के उपरांत सु मधुर भोजन कराकर उनका विधिवत सम्मान हुआ कार्यक्रम में मुख्य अतिथि माननीय न्यायमूर्ति श्री श्री भगवान सिंह सेवानिवृत्त ,विशिष्ट अतिथि डॉ बिंदु विश्वकर्मा , डाक्टर विनीता विश्वकर्मा एवं शक्ति सिंह आदि मंच पर उपस्थित रहे

अध्यक्षता आर यस वर्मा आईएएस पूर्व कमिश्नर ने किया संचालन श्यामसुंदर सिंह पटेल पूर्व सूबेदार कारगिल युद्ध विजेता ने किया कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन कर गायत्री महामंत्र के उच्चारण के साथ पंडित जी नरोत्तम त्रिपाठी ने अतिथियों से संपन्न कराया तत्पश्चात अपने स्वागत भाषण व स्वास्थ्य परि चर्चा में डॉक्टर बिंदु विश्वकर्मा निदेशक विनीता हॉस्पिटल ने कहा कि स्वस्थ रहने के लिए संतुलित आहार, योग प्राणायाम व व्यायाम नियमित करने से लोग हमेशा स्वस्थ रहेंगे फिर भी कोई दिक्कत या बीमारी होती है तो सभी मरीजों का बेहतर ढंग से इलाज कर उन्हें स्वस्थ व क्रियाशील हम लोग बनाते हैं इस अस्पताल में सभी प्रकार की सुविधाएं व इलाज उपलब्ध हैं आप वरिष्ठजनों के सम्मान करने से हमें खुशी मिलती है इसलिए ऐसे आयोजन हम हर वर्ष करते हैं

डॉ विनीता विश्वकर्मा ने मानसिक स्वास्थ्य पर चर्चा करते हुए कहा कि मन का स्वस्थ रहना बहुत जरूरी है क्योंकि सभी इंद्रियों का संचालन व नियंत्रण मन से ही होता है इसके लिए योग ,साधना, स्वाध्याय एवं सत्कर्म से यह संभव हो सकता है फिर भी किन्ही कारणों से कोई दिक्कत या बीमारी होती है तो उसका इलाज करके हम उन्हें स्वस्थ बनाते हैं

योग प्रशिक्षक शक्ति सिंह ने योग प्राणायाम व सूक्ष्म व्यायाम की जानकारी देते हुए योग की कुछ विधाओं का अभ्यास भी कराया

इस अवसर पर मुख्य अतिथि माननीय न्यायमूर्ति श्री श्री भगवान सिंह ने कहा कि बड़े हर्ष का विषय है की वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान उनका स्वास्थ्य परीक्षण का कार्यक्रम यहां पर आयोजित है सभी आयोजक बधाई के पात्र हैं शास्त्रों में कहा गया है कि अभिवादनशीलस्य नित्यं वृद्धोंपसेविनाह चत्वारि तस्य वर्धनते आयुर्विद्या यशो बलम, जिसका तात्पर्य है कि जो वरिष्ठ जनों का अभिवादन व सम्मान करता है उसकी आयु ,विद्या, यश और बल की निरंतर वृद्धि होती है , हमारे जीवन में योग का बहुत महत्व है योग जीवन का आधार है जो नित्य इस विधा का उपयोग करता है वह हमेशा स्वस्थ रहेगा फिर भी यदि कोई आपदा विपदा से शरीर को कष्ट होता है व बीमारी होती है तो हमारे यह चिकित्सक भगवान के रूप में हमारी सेवा व इलाज कर हमें स्वस्थ बनाते हैं इस हेतु हम समस्त हॉस्पिटल स्टाफ ,चिकित्सकों का हृदय से आभार प्रकट करते हैं व उन्हें बधाई देते हैं

तत्पश्चात अध्यक्षता कर रहे आर यस वर्मा ने गवर्नमेंट पेंशनर्स वरिष्ठ नागरिकों व आयोजकों का धन्यवाद एवं आभार प्रकट किया इसके बाद मंच से डॉक्टर बिंदु विश्वकर्मा एवं डॉ विनीता विश्वकर्मा ने सभी वरिष्ठ नागरिकों को पुष्प, सम्मान पत्र व स्मृति चिन्ह भेंट कर भोजन कराते हुए सभी का विधिवत सम्मान किया सभी लोगों ने कार्यक्रम के दौरान अपना निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण भी कराया कार्यक्रम में शामिल वरिष्ठ नागरिकों में उमेश शर्मा ,श्याम सुंदर सिंह पटेल ,सुरेंद्र सिंह ,भगवती प्रसाद, फरहाना सिद्दीकी, सुशील कुमार श्रीवास्तव, राजेश यादव, शिवचरण सिंह, योगेंद्र पांडे ,पीके मिश्रा ,श्रीराम शिवहरे ,नरोत्तम त्रिपाठी ,मोहम्मद शाहिद उस्मानी,सत्यपाल , आर के मौर्या आदि के साथ पुलिस पेंशनर संगठन, पूर्व सैनिक संगठन ,गवर्नमेंट पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन ,यूनाइटेड फोरम आफ पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन प्रयागराज, रेलवे पेंशनर संगठन आदि के लोग शामिल रहे, स्वास्थ्य परीक्षण व व्यवस्था में डॉक्टर्स पंकज ,कृष्ण कांत शुक्ला, महेश यादव ,सुशील मिश्रा ,डॉक्टर आरके शर्मा ,माबूद खान ,शिवम मिश्रा, डॉ उत्तम पटेल ,डॉक्टर शिवचरण मौर्य, राजवीर सिंह, आमिर खान, प्रदीप भंडारी ,अलका भंडारी, हिमांशु वर्मा अशोक यादव, व प्रवीण श्रीवास्तव आदि का कार्य अत्यंत सराहनीय रहा जिसकी लोगों ने भूरी भूरी प्रशंसा किया व कार्यक्रम धूमधाम से संपन्न हुआ

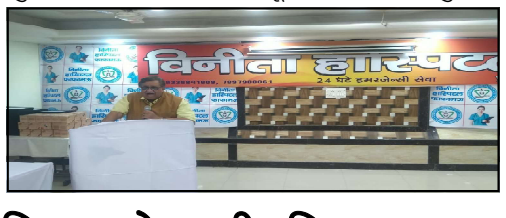

नैनी गुरुद्वारा संगत में 553वॉ साहिब श्री गुरु नानक देव जी का प्रकाश उत्सव प्रभात फेरी से आरंभस

नैनी प्रयागराज/553वॉ साहिब श्री गुरु नानक देव जी का प्रकाश उत्सव नैनी गुरुद्वारा संगत में 14 नवंबर को प्रभात फेरी से आरंभ हो रहा है 14 नवंबर सोमवार को प्रातः काल 5रू00 से प्रभात फेरी गुरुद्वारा प्रांगण से प्रारंभ होकर नगर भ्रमण करेगी जो 18 नवंबर तक लगातार नगर भ्रमण को प्रातः काल निकलेगी 18 नवंबर को ही श्री अखंड पाठ साहिब आरंभ होंगे जिसकी सम्पूर्णता 20 नवंबर को होगी।

सरदार पतविंदर सिंह ने समस्त नगर वासियों से अपील की है की नैनी स्थित गुरुद्वारे में गुरु पर्व के प्रकाश उत्सव के विभिन्न धार्मिक आयोजन में तन मन धन से बढ़–चढ़कर सेवा कर गुरु का आशीर्वाद प्राप्त कर अपने जीवन सफल करें। सरदार पतविंदर सिंह ने हाथ जोड़कर आग्रह किया है कि सभी धार्मिक आयोजनों में समय का विशेष ध्यान रखकर समय से पहुंचे जिससे गुरु की वाणी का पूरा सिमरन कर सकें।

एसएसपी से गुहार लगाने के बावजूद पीड़िता को नही मिला न्याय

प्रयागराज 13 नवम्बर, थाना करछना अंतर्गत ग्रामसभा सेमरी मजरा तालुका का पुरवा निवासिनी दलित विधवा चंदो देवी दो सप्ताह पूर्व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से मिलकर अपना दुखड़ा रोया था कप्तान साहेब ने क्षेत्राधिकारी करछना को जांच सौपी थी किन्तु अभी तक कोई कार्यवाही न होने से नाराज दलित विधवा कार्यालय एसएसपी के समक्ष बुधवार 16 नवम्बर से आमरण अनशन करने की घोषणा की है। पीड़िता चंदो देवी ने आरोप लगाया है कि स्थानीय करछना थाने की पुलिस दबंगो से मिली हुई है इसलिए दबंगो के विरुद्ध कोई कार्यवाही नही हो रही है। पीड़िता का कहना है कि एसएसपी के जांच आदेश पर दो सप्ताह बीत जाने के बावजूद कोई कारगर कार्यवाही न होने के कारण आमरण अनशन करने को मजबूर हूं। पीड़िता का कहना है कि उक्त प्रकरण को लेकर विपक्षीगणो के विरुद्ध कार्यवाही हेतु तीन बार प्रार्थना एसएसपी प्रयागराज को दी जा चुकी है किन्तु विपक्षीगणो के विरुद्ध अभी तक कोई कार्यवाही नहीं की जा रही है।

सम्पादकीय

फर्राटा भरती गाड़ियां सड़क किनारे खड़े आदमी और पैदल चलने वालों की तो शामत आई

साधो, शहर स्मार्ट हो रहे हैं। सड़कें चौड़ी की जा रही हैं। पेड़ काटे जा रहे हैं। हवाई अड्डे तक का रास्ता साफ–सुथरा और चमकीला बनाया जा रहा है। फ्लाई ओवर कहे जाने वाले पुलों का तेजी से निर्माण हो रहा है। सब तरफ गड्ढे खोदे जा रहे हैं। फिर इन गड्ढो को भरे जाने की मुहिम चलेगी। लाइटें लग रही हैं। वे अभी जल नहीं रही हैं। लेकिन देखना, एक दिन शहर दूधिया रोशनी से जगमगा उठेगा। सड़कों के दोनों तरफ बने फुटपाथों को तेजी से मिटाया जा रहा है।

फरमान जारी कर दिया गया है कि स्मार्ट शहरों–नगरों में अब कोई पैदल नहीं चलेगा। अपने दो पैरों से कदम–कदम रास्ता नापने वाले लोगों को अब अपराधी करार दिया जाएगा। कोई साइकिलधारी भी अब इन सड़कों पर दिखाई नहीं देगा। सबके पास अपनी महंगी, चमचमाती और फर्राटा भरती गाड़ियां होंगी। उन गाड़ियों के भीतर स्मार्ट लोग होंगे, जो पैदल या साइकिल से चलने वालों को हिकारत की नजरों से देखेंगे। स्मार्ट होना आदमी और आदमी में भेद करना सिखाता है। युवा पीढ़ी को इस मामले में ट्रेंड यानी प्रशिक्षित किया जा रहा है। सड़क के किनारे पैदल चलता आदमी बेचारा या फिर जानवर सरीखा है, जिसे किसी भी क्षण दुत्कारा या दूर हांका जा सकता है।

पैदल चलने वालों से शहर की छवि छवि खराब होती है। ऐसे लोग शहरों के लिए प्रदूषण की मानिंद हैं। वे उस पार जाने की प्रतीक्षा में सड़क किनारे खड़े होकर फर्राटा भरती गाड़ियों के सुगम आवागमन में बाधा उत्पन्न करते हैं। नई व्यवस्था में स्मार्ट मोटर गाड़ी से दबने या कुचल जाने का दोषी अब पैदल चलने वाला आदमी ही माना जाएगा। उसके पैदल चलने के अधिकार को अब निरस्त कर दिया गया है। पैदल चलता आदमी हर समय तनावग्रस्त रहता है, जबकि गाड़ी के भीतर बैठा स्मार्ट आदमी सब तरह के टेंशन (तनाव) से मुक्त होता है।

फर्राटा भरती गाड़ियां सड़क के किनारे खड़े आदमी की चिंता नहीं करतीं। पैदल चलते आदमी की जिंदगी चमकीली गाड़ियों की कृपा पर निर्भर है। उसने सड़क पार कर ली, तो समझो कि भवसागर पार कर लिया। वैसे भी नई सदी की सड़कें पैदल आदमी के लिए नहीं बनी हैं। पैदल चलता आदमी फुरसतिया या फिर पूरी तरह निठल्ला होता है। उसके पास कभी कोई जरूरी काम नहीं होता। अगर जरूरी काम होता, तब क्या वह पैदल चलकर वक्त जाया करता? ऐसा आदमी समय की अहमियत नहीं समझता।

उसका दो पैरों पर घिसटना फितूर है। ऐसा आदमी किसी भी समय वाहन की चपेट में आने के लिए उपलब्ध होता है। पैदल आदमी स्मार्ट शहर के नूरानी चेहरे पर बदनुमा दाग की तरह है। स्मार्ट सिटी में उसकी हाजिरी संगीन अपराध की तरह है। कवि नागार्जुन ने बहुत पहले कहा था, पैदल चलने वालों की तो शामत आई। आप पैदल चलने वालों में शुमार हैं, तो यह आपका दोष है, सरकार का नहीं। अगर आप पैदल चलते हैं और बरसात में चुपचाप सड़क किनारे से गुजर रहे हैं, तब अचानक तीव्र गति से कोई स्कार्पियो या मर्सिडीज आपके पास से गुजरेगी और उसमें बैठी एक खूबसूरत महिला तथा उसकी गोद में झबरे बालों वाला स्मार्ट डॉगी आपके भीतर कुत्ता होने का तेजी से एहसास जगा देगा।

एकाएक आप उस ऊंची नस्ल वाले कुत्ते से बहुत नीचे हो जाएंगे। स्मार्ट गाड़ी उसी क्षण सड़क के गड्ढे में भरा पानी तेजी से आपके ऊपर उलीच देगी और आप ठगे–से रह जाएंगे। उस वक्त आप गंदे पानी से नहीं, बल्कि आम आदमी होने की कोफ्त से सराबोर होंगे। एयरकंडीशंड (वातानुकूलित) गाड़ियां आपकी और आपके मरने की चिंता नहीं करेंगी। उसके लिए आप आदमी नहीं, भुनगे हैं। आपको टक्कर मारकर अगर उसने हवाई उड़ान भर दी, तो आप सिवा देखते रहने या चिल्लाने के और कर भी क्या सकते हैं?

पैदल चलते आदमी की तरफ गाड़ी में बैठे आदमी का ध्यान तभी जाता है, जब किसी मोड़ पर उसे रास्ता पूछना होता है और फिर उसे हिकारत से देखता हुआ वह आगे बढ़ जाता है। वर्षों पहले जब लोग पैदल चलते हुए लंबी दूरियां तय करते थे, तब उनके प्रति लोगों में सम्मान का भाव रहता था। कड़ी धूप होती, तो उनसे ठहरने के लिए कहा जाता, पानी के लिए पूछा जाता और बिना जान–पहचान के भी दरयाफ्त करते कि उन्हें किस जगह जाना है। लेकिन स्मार्ट लोग अब बिना इधर–उधर देखे तेजी से दौड़ रहे हैं। उन्हें दूर कहीं जाना है, जहां आम आदमी की नजर भी नहीं पहुंचती। पैदल चलता आदमी अब हीनता बोध से घिरा है। वह हैरत भरी नजरों से तेजी से भागती दुनिया को देख रहा है। आधुनिक सभ्यता और तरक्की ने उसे निम्न श्रेणी का नागरिक बना दिया है।

सभी गरीब भाग्यशाली नहीं हैं, आरक्षण की नई व्यवस्था से आर्थिक न्याय को मिलेगी गति

इस कॉलम का विषय कानून, राजनीति, समानता की धारणा और सामाजिक न्याय के विचारों के मिलन बिंदु पर है। मैं इस बारे में बहुत अच्छी तरह जानता हूं कि समकालीन भारत में सामाजिक न्याय क्या है और उसके आगे का रास्ता क्या है। मुझे इस बारे में भी जानकारी है कि भारतीय समाज में कितनी असमानता है और समाज में समानता लाने के लिए कौन–कौन से सौ कदम उठाए जाने की जरूरत है। अगर हम सामाजिक न्याय और समानता की बात करें, तो कभी सामाजिक न्याय बाधित होता है, तो कभी समानता का उद्देश्य पूरा नहीं होता। कानून विधानसभाओं में बनते हैं, जहां राजनेता ही होते हैं। कानून को नियंत्रित और लागू करने का काम न्यायाधीशों का है, जिनका राजनीति से कोई लेना–देना नहीं। शासकों को न्यायाधीशों से डरना ही चाहिए, लेकिन न्यायाधीशों को शासकों से नहीं डरना चाहिए। कानून और राजनीति अगर टकराएं, तो उसका नतीजा ही इस बारे में ठीक–ठीक बता सकता है कि कोई देश कानून से शासित होता है या नहीं।

मिलन बिंदु पर

विगत सात नवंबर को एक एनजीओ जनहित अभियान पर सर्वोच्च न्यायालय का फैसला इसका सटीक उदाहरण है कि कानून, राजनीति, सामाजिक न्याय और समानता के विचार जब एक साथ टकराते हैं, तो कैसी दुविधा उपस्थित होती है। शीर्ष अदालत का फैसला उन तमाम याचिकाओं की सुनवाई के बाद आया था, जिनमें संविधान के 103वें संशोधन–या ईडब्ल्यूएस आरक्षण मामले को चुनौती दी गई थी। ईडब्ल्यूएस का मतलब है आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग। यहां मैं उन्हें गरीब ही कहूंगा। मैं इस कॉलम में अदालत के फैसले पर टिप्पणी करने के बजाय मुद्दों पर बात करूंगा और पाठकों से अपना पक्ष तय करने के लिए कहूंगा।

बुनियादी मुद्दे

शिक्षा संस्थानों और सरकारी रोजगार में आज कई तरह के आरक्षण हैं। ये आरक्षण श्सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गोंश के लिए यानी अनुसूचित जातियों (एससी), अनुसूचित जनजातियों (एसटी) और दूसरे पिछड़े वर्गों (ओबीसी) के लिए हैं। इन वर्गों के लोगों के सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े होने के ऐतिहासिक और अकाट्य कारण हैं। आरक्षण को श्सकारात्मक कार्रवाईश का औजार माना गया है और एससी, एसटी और ओबीसी के लिए आरक्षण को वैधता और मंजूरी मिली हुई है।

ऐसी धारणा है कि आरक्षण की व्यवस्था से समाज के उस वर्ग में क्षोभ है, जो एससी, एसटी और ओबीसी नहीं हैं और जिसे आरक्षण का लाभ नहीं मिलता। चूंकि इस वर्ग के गरीब भी शिक्षा और रोजगार के क्षेत्रों में ऐसी ही समस्याओं का सामना करते हैं, ऐसे में, यह विचार आया कि क्या आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए भी आरक्षण की व्यवस्था की जा सकती है? धारणागत रूप से यह विचार अच्छा था, पर इसमें कई तरह की बाधाएं थीं।

जैसे कि क्या ये गरीब सामाजिक और शैक्षिक रूप से भी पिछड़े हैं, जिसे कि संविधान ने आरक्षण का लाभ देने की एकमात्र कसौटी माना है? आर्थिक न्याय के लक्ष्य के लिए गरीबों को आरक्षण देना क्या संविधान के मूल ढांचे का उल्लंघन है? फिर चूंकि अदालत ने यह तय कर रखा है कि कुल आरक्षण 50 फीसदी से अधिक नहीं होना चाहिए, ऐसे में, आर्थिक रूप से गरीबों के लिए 10 फीसदी का आरक्षण क्या 50 प्रतिशत की सीमा का उल्लंघन नहीं होगा?

श्बुनियादी ढांचेश के सिद्धांत और श्आरक्षण पर 50 फीसदी की सीलिंगश को संविधान की व्याख्या के न्यायिक आलोक में देखा जा सकता है। एक बार जजों ने जब जजों द्वारा बनाए गए उस कानून के अवरोध से बाहर निकलने का फैसला किया, तब आगे का रास्ता बिल्कुल स्पष्ट था। सभी पांचों सम्माननीय न्यायाधीश इस पर सहमत थे कि आर्थिक न्याय वस्तुतः सामाजिक न्याय के समान ही है, और कमजोर आर्थिक आधार पर आरक्षण का लाभ देने से संविधान के मूल ढांचे का उल्लंघन नहीं होता।

वे इस पर भी सहमत थे कि आर्थिक आधार पर आरक्षण की नई श्रेणी बनाने से अगर 50 फीसदी आरक्षण की सीलिंग का उल्लंघन होता है, तो वह असांविधानिक नहीं है। वे सभी आर्थिक आधार पर आरक्षण देने के फैसले से सहमत हुए और इस पर भी कि ईडब्ल्यूएस आरक्षण 10 फीसदी होगा। फैसले के इस अंश की आलोचना ज्यादा नहीं हुई। जिस मुद्दे ने निर्णय को विभाजित किया, वह यह था कि इस आरक्षण में एससी, एसटी और ओबीसी के गरीबों को शामिल किया जाएगा या नहीं।

विभाजित अदालत

पोषण, लालन–पालन और शुरुआती शिक्षा में कमी का मुख्य कारण गरीबी है। ये कमियां वंचित वर्ग के युवाओं की शिक्षा और रोजगार तक पहुंच को सीमित कर देती हैं या रोक देती हैं। सवाल यह है कि गरीब कौन है। 103 वें संविधान संशोधन ने यह जिम्मेदारी राज्यों पर डाल दी है कि वे श्पारिवारिक आय और आर्थिक कमियों के दूसरे संकेतकोंश के आधार पर गरीबों की शिनाख्त करें। जिन दो न्यायाधीशों ने आर्थिक आधार पर आरक्षण देने का विरोध किया, उन्होंने अपनी टिप्पणी में सिन्हो कमीशन (जुलाई, 2010) का हवाला दिया है, जिसका निष्कर्ष था कि 31.7 करोड़ लोग गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) हैं। इनमें से अनुसूचित जाति की आबादी 7.74 करोड़, अनुसूचित जनजाति की आबादी 4. 25करोड़ और अन्य पिछड़े वर्ग की आबादी 13.86 करोड़ थी। यह कुल मिलाकर 25.85 करोड़ थी, जो बीपीएल आबादी का 81.5 फीसदी थी। तब से बीपीएल आबादी की आबादी में कोई खास बदलाव नहीं आया है।

महत्वपूर्ण सवाल यह है कि अनुच्छेद 15(6) और 16(6) , जो आरक्षण की नई व्यवस्था से एससी, एसटी और ओबीसी वर्गों के गरीबों को बाहर कर देता है, क्या सांविधानिक रूप से सही है। इस मुद्दे पर सम्माननीय न्यायाधीशों के विचार विभाजित थे, और उन्होंने 3रू2 से फैसला दिया। न्यायमूर्ति रविंद्र भट्ट की असहमत टिप्पणी बेहद प्रभावशाली थी, जिससे प्रधान न्यायाधीश न्यायमूर्ति ललित सहमत थे। उनके ये शब्द सर्वोच्च न्यायालय के अदालत कक्षों में आने वाले अनेक वर्षों तक गूंजते रहेंगे कि श्हमारा संविधान किसी को बाहर करने की भाषा में बात नहीं करता।श दिग्गज अमेरिकी न्यायमूर्ति चार्ल्स इवांस ह्यूजेस के शब्दों को उधार लेकर कहूं, तो मेरे विचार से न्यायिक असहमति वस्तुतरू श्भविष्य के किसी एक दिन के लिए की गई अपील है, जब कोई न्यायिक निर्णय संभवतः मौजूदा खामी को दुरुस्त कर दे।

इस आधार पर जो निष्कर्ष बनता है, वह यह है रू गरीबों के लिए आरक्षण की नई व्यवस्था से आर्थिक न्याय को गति मिलेगी। लेकिन एससी, एसटी और ओबीसी के गरीबों को इस आरक्षण से बाहर रखने का (जो कुल गरीबों का लगभग 81.5 फीसदी हैं) फैसला निर्धनों से भी निर्धनतम को समानता और न्याय से वंचित करेगा।

साहित्यिक उत्सवों और दलित विमर्श के बीच ख्याति पाते लेखनी के महारथी

भारतीय भाषायी लेखन में हिंदी की सृजनात्मकता पर हो रहा मंथन अभूतपूर्व है। संभवतः लंबे समय तक कोरोना महामारी के कारण दैहिक दूरियों की मजबूरियों से कलम का कर्तव्य प्रदर्शित नहीं हो पा रहा था। इसी महीने जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के सेमिनार में श्स्वाधीनता आंदोलन और राष्ट्रीय एकीकरण में हिंदी भाषा और साहित्य की भूमिकाश पर हुए विमर्श को पुराने प्रश्नों का नया जवाब कहा जा सकता है। इससे इतर हाल के महीनों में संपन्न हुए हिंदी पखवाड़ा से लेकर साहित्य अकादेमी का शिमला साहित्य उत्सव, झांसी में बुंदेलखंड लिटरेरी फेस्टिवल और इसी महीने मध्य प्रदेश में होने जा रहे 'भोपाल साहित्य उत्सवश के बीच पिछले महीने दिल्ली में संपन्न हुए 'राजेन्द्र यादव स्मृति समारोह' के तौर पर हंस का श्साहित्योत्सव' विविधता की दृष्टि से खास था। वर्ष 1986 से हंस का जब पुनः प्रकाशन शुरू हुआ, तब लगभग आधा दशक तक इसमें दलित विमर्श को जगह नहीं दी गई थी। फिर नब्बे के दशक में एकाएक ऐसा क्या हुआ था, जिससे संपादक को विविधता आकर्षित करने लगी? हाशिये पर पड़े विमर्शों को केंद्र में लाने की इच्छा बलवती होने लगी? देश, काल, परिस्थिति पर गौर करें, तो 20वीं सदी के अंतिम दशक में मंदिर–मंडल का मुद्दा बेहद गर्म हो रहा था। डॉ. आंबेडकर के जन्म का शताब्दी वर्ष आ गया था। बसपा के बढ़ते प्रभाव को लगाम लगाने के लिए वीपी सिंह ने मंडल कमीशन लागू कर दिया था। डॉ. आंबेडकर को मरणोपरांत 'भारत रत्न' दिया गया था। महाराष्ट्र सरकार ने केंद्र सरकार के साथ मिलकर डॉ. आंबेडकर के अंग्रेजी लेखन को दर्जन भर खंडों में प्रकाशित कर दिया था। हिंदी के दलित लेखकों का रचनात्मक साहित्य का दबाव बनने लगा था। वैसे में हंस के संपादक को लगा था कि साहित्य मंच पर भी दलितों का बहिष्कार रुकना चाहिए।

ऐसे ही, स्त्री विमर्श में जब वंचित–दलित स्त्री के विमर्श की बात हुई, तो तथाकथित कुलीनता का आग्रह रखने वाली कुछ सुविधाभोगी लेखिकाएं विरोध में आईं। प्रश्न उठने लगा कि देश, काल, परिस्थितियां संपूर्ण साहित्यिक पत्रकारिता के लिए एक जैसी थी, तो इससे इतर पत्रिकाओं में हाशिये के लेखन को केंद्र में लाने की आवश्यकता क्यों अनुभव नहीं हुई? याद रखना चाहिए कि, प्रकाशित न होने की स्थिति में लेखन मर जाता है। पठनीय न बन पाने या बहुसंख्य पाठकों तक संप्रेषित न हो पाने पर भी उसका कोई भविष्य नहीं होता।

तमाम विपरीत परिस्थितियों में भी उपेक्षित समाजों की स्त्रियों ने अपने रचनात्मक अस्तित्व की रक्षा के लिए काफी संघर्ष किए हैं। मराठी में डॉ. आंबेडकर के धर्मांतरण आंदोलन में शरीक होने वाली महिलाओं ने अपने अनुभव अपनी भावी पीढ़ियों को अग्रसारित करने के उद्देश्य से आत्मकथाएं लिखीं और अपने खर्च से प्रकाशित कर अपने इतिहास का दस्तावेजीकरण कराया। उनमें बड़ी संख्या उन लेखिकाओं की थी, जिन्होंने पहली बार कलम पकड़ी थी और जिनके पास लेखन की कोई विरासत व कोई संस्कार नहीं था। एक शोध के अनुसार, यह संख्या दो सौ से ढाई सौ आत्मकथाओं के बीच थी। पर उन्हीं में से बेबी कांबले की जीवन हमारा, कौशल्या बैसंत्री की दोहरा अभिशाप और उर्मिला पवार की आयदान जैसी आत्मकथाएं प्रकाश में आईं।

मराठी में शांताबाई कृष्णाजी कांबले की आत्मकथा माज्या जल्माची चित्तरकथा को सर्वाधिक ख्याति मिली। बीती सदी के आठवें दशक में ही इसके अंग्रेजी, फ्रेंच और कन्नड़ अनुवाद आ गए थे। कमलेश्वर ने मुंबई दूर दर्शन पर 'कथाचक्र' के तहत इसी आत्मकथा को दिखाया था। आत्मकथा की विषयवस्तु में यथार्थपरक सत्य हो, तो अलग भाषा भी बाधा नहीं बनती। तमिल लेखिका बामा की आत्मकथा कुर्कू इसका जीवंत उदाहरण है। इस महिला ने जाति आधारित भेदभाव के खिलाफ तमिल साहित्य में जोरदार आंदोलन खड़ा किया, जिसका अनुभव आत्मकथा में दर्ज किया।

दिल्ली-एनसीआर में 29: डाइबिटीज रोगी, 25 साल की उम्र में बन रहे मरीज

दिल्ली–एनसीआर में तेजी से लोग मधुमेह के रोगी बन रहे हैं। इनमें करीब आधे मरीज 40 से 60 वर्ष की उम्र के हैं। वहीं 25 वर्ष तक के लोग भी इस रोग चपेट में आ रहे हैं। एक निजी लैब ने मार्च से अक्टूबर के बीच खून में शुगर की जांच के लिए 1.76 लाख से अधिक लोगों की ग्लाइकोसिलेटेड हीमोग्लोबिन टेस्ट किया। उनमें 29 फीसदी लोगों में मधुमेह पाया गया।

मधुमेह रोगियों का अनुपात महिलाओं की तुलना में पुरुषों में अधिक पाया गया। यह रिपोर्ट उन लोगों पर किए गए डेटा विश्लेषण पर आधारित हैं जिन्होंने विशेष रूप से मधुमेह के लिए खुद की जांच करवाई। किया गया टेस्ट पिछले दो से तीन महीनों में ब्लड शुगर के औसत स्तर के बारे में बताता है। ग्लाइकोसिलेटेड हीमोग्लोबिन स्तर 6.5 फीसदी का मानक मधुमेह का सूचक माना जाता है। लैब से मिली जानकारी के अनुसार, मार्च–अक्तूबर 2022 के बीच दिल्ली–एनसीआर में कुल 1,76,086 ब्लड सैंपल का परीक्षण किया गया। इन सैंपल में से 51,687 (करीब 29.3 फीसदी) में मधुमेह की शिकायत पाई गई। इसमें 40 से 60 वर्ष आयु वर्ग में 44.6 फीसदी, 60 से अधिक आयुवर्ग में 41 फीसदी और 25–40 वर्ष की आयुवर्ग में 13.5 फीसदी लोगों में मधुमेह की शिकायत मिली। महिलाओं में 41 फीसदी और पुरुषों में 59 फीसदी में मधुमेह पाया गया।

परीक्षण करने वाली लैब के प्रमुख डॉ. प्रशांत नाग ने कहा कि मधुमेह विश्व स्तर पर स्वास्थ्य के लिए एक प्रमुख खतरा है। इसकी वजह से स्वास्थ्य खर्च का बोझ बढ़ रहा है। आने वाले दिनों में यह तेजी से बढ़ने की उम्मीद है। खासकर मोटापे से पीड़ित युवाओं में इसका खतरा ज्यादा है। काफी लोग मधुमेह के बॉर्डर लाइन पर आ गए हैं। 2018 में प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार हर 6 में से 1 भारतीय को बॉर्डर लाइन डायबिटीज है।

हार्ट–किडनी के मरीजों की परेशानी बढ़ी

मधुमेह हार्ट और किडनी के मरीजों की समस्या बढ़ा रहा है। मधुमेह के रोगी का ब्लड शुगर का स्तर नियंत्रित न होने के कारण हृदय रोगियों व किडनी के रोगियों की जटिलताएं बढ़ रही हैं। ऐसे रोगियों में मृत्यु दर काफी अधिक होती है। इसके अलावा वातावरण गंभीर रूप से प्रदूषित है। जिसके चलते मधुमेह के रोगियों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है।

इस समय देश में मधुमेह के करीब आठ करोड़ मरीज हैं, जो 2045 तक बढ़कर 13.4 करोड़ हो सकते हैं। कोरोना महामारी के बाद देश में मधुमेह के रोगियों की संख्या में काफी इजाफा हुआ है। दिल्ली नगर निगम के आयुर्वेदिक पंचकर्म अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. आरपी पाराशर ने बताया कि लाइफ स्टाइल में बदलाव के साथ प्रोसैस्ड फूड, जंक फूड और फास्ट फूड को छोड़कर ही मधुमेह को रोका जा सकता है। विभिन्न सर्वेक्षणों में यह बात सामने आई है कि दिल्ली के स्कूलों के 40 फीसदी से अधिक बच्चे मोटापे के शिकार हैं जिनमें डायबिटीज होने का खतरा सर्वाधिक है।

इनका करें सेवन

डायबिटीज से बचाव और इलाज के लिए गेहूं के साथ चने, ज्वार, जौ, जई और दालों से बने आटे का प्रयोग करें, सब्जियों में घिया, तोरी, टिंडा, पालक, परवल, खीरा, ककड़ी और करेले का प्रयोग नियमित रूप से करें। अमरूद, जामुन, पपीते जैसे फलों का प्रयोग भी डायबिटीज में लाभकारी होता है। अंकुरित दालों और अनाज का प्रयोग भी शरीर में ग्लूकोज की मात्रा को नियंत्रित करता है।स्वस्थ भोजन के प्रयोग से न केवल मधुमेह की उत्पत्ति को रोका जा सकता है बल्कि मधुमेह के कारण होने वाले अल्सर, किडनी, आंखों, कानों, हृदय रोगों, अल्जाइमर्स, रेटिनोपैथी, आदि रोगों से भी बचा जा सकता है।

दिल्ली–एनसीआर की हवा अब भी जहरीली, कल से राहत के आसार

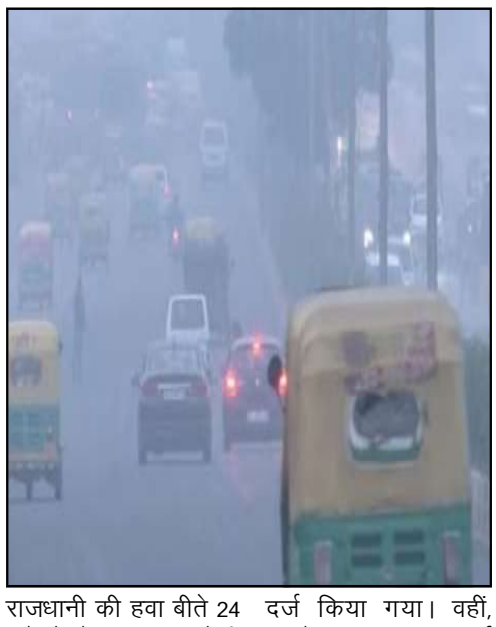

राजधानी की हवा बीते 24 घंटे में बेहद खराब श्रेणी में दर्ज की गई है। वहीं, एनसीआर के शहरों की हवा खराब श्रेणी में रही। वायु मानक एजेंसियों का पूर्वानुमान है कि अगले 24 घंटे में हवा की रफ्तार मध्यम होने की वजह से प्रदूषण के स्तर में अधिक बदलाव की संभावना नहीं है।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के मुताबिक, बीते 24 घंटे में दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 303 दर्ज किया गया। वहीं, सबसे कम 233 एक्यूआई नोएडा का रहा है। इससे एक दिन पहले एनसीआर के शहरों की हवा बेहद खराब श्रेणी में रही थी। भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के मुताबिक, बीते 24 घंटे में पराली जलने की घटनाएं दर्ज हुई हैं। सबसे अधिक पराली पंजाब में जल रही है। यहां 2467 जगहों पर पराली जलाई गई हैं।

वहीं, हरियाणा में 99, मध्यप्रदेश में 421 और राजस्थान में 84 जगहों पर पराली जलने की घटनाएं रिकॉर्ड हुई हैं। अच्छी बात यह है कि दिल्ली में किसी भी स्थान पर पराली जलने की घटना रिकॉर्ड नहीं हुई है। केंद्र की वायु मानक संस्था सफर इंडिया के मुताबिक, बीते 24 घंटे में पराली के धुएं की दिल्ली–एनसीआर के प्रदूषण के पीएम 2.5 में 17 फीसदी हिस्सेदारी रही है। वहीं, 2.5 से बड़े कणों की पीएम 10 में 60 फीसदी हिस्सेदारी रही। पीएम 10 का स्तर 222 व पीएम 2.5 का स्तर 133 माइक्रोग्राम प्रतिघन मीटर रिकॉर्ड किया गया। अगले 24 घंटे में घटेगी मिक्सिंग हाइट व वेंटिलेशन इंडेक्स

भारतीय उष्णदेशीय मौसम विज्ञान संस्थान आईआईटीएम के मुताबिक शनिवार को मिक्सिंग हाइट का स्तर 2100 मीटर व वेंटिलेशन इंडेक्स 19 हजार वर्ग मीटर प्रति सेकेंड तक रहा। हवा की दिशा उत्तर–पश्चिम और रफ्तार 10 से 18 किलोमीटर प्रतिघंटा रही। विभाग का पूर्वानुमान है कि अगले 24 घंटे में मिक्सिंग हाइट घटकर 1550 मीटर व वेंटिलेशन इंडेक्स 10300 वर्ग मीटर प्रति सेकेंड रह सकता है। हवा की रफ्तार 10 किलोमीटर प्रतिघंटा से कम व वेंटिलेशन इंडेक्स छह हजार वर्ग मीटर प्रति सेकेंड से कम होने पर प्रदूषकों को बढ़ने में मदद मिलती है।

14 नवंबर से हवा में हो सकता है सुधार

सफर के मुताबिक, अगले रविवार को हवा की रफ्तार मध्यम होने की वजह से हवा की गुणवत्ता में अधिक बदलाव की संभावना नहीं है। ऐसे में हवा खराब से बेहद खराब श्रेणी में ही बनी रहेगी। वहीं, 14 नवंबर से सतही हवाओं की रफ्तार कम होने की वजह से उत्तर–पश्चिम दिशा से आने वाले पराली के धुएं की दिल्ली–एनसीआर के प्रदूषण में हिस्सेदारी घटेगी, जिससे हवा के बेहतर होने की संभावना है।

दिल्ली–एनसीआर का एक्यूआई

दिल्ली– 303
फरीदाबाद– 274
गाजियाबाद– 236
ग्रेटर नोएडा– 240
गुरुग्राम– 286
नोएडा– 233।

धरी रह गई रायशुमारी, घंटे भर पहले भाजपा में शामिल नेता को मिला टिकट, वंचित उम्मीदवारों में रोष

एमसीडी चुनाव के लिए भाजपा की रायशुमारी सिर्फ दिखावटी रही। महज एक घंटे पहले पार्टी में शामिल हुए नेता प्रत्याशी बन गए। इसका अंदरखाने विरोध भी तेज हो गया है। प्रदेश भाजपा ने सभी ढाई सौ वार्ड में प्रत्याशियों के चयन के लिए पिछले दिनों रायशुमारी की थी। वार्ड के प्रतिनिधियों से पसंद के उम्मीदवारों के लिए बंद डिब्बे में नाम डालने को कहा गया था। जोरशोर से चले इस रायशुमारी में प्रदेश ही नहीं राष्ट्रीय नेतृत्व के भी नेताओं को वार्ड में भेजा गया था। लेकिन वार्ड, मंडल, जिले के नेताओं को खबर तक नहीं की गई और दावेदारों के भविष्य को डिब्बे में कैद कर दिया गया।

अब जब पहली सूची जारी हो गई है तो इसे लेकर दावेदार नाराजगी जाहिर कर रही है। इतना ही नहीं जब बंद डिब्बे में दावेदारों के बॉयोडाटा से मिलान नहीं हुआ तो सभी नेता आश्चर्य में है। सूची को देखो तो प्रदेश के महामंत्री की खूब चली है। माना जा रहा है कि पूर्वी दिल्ली इलाके में ज्यादातर दावेदारों को टिकट दिलाने में उन्हें कामयाबी मिली है।

भाजपा नेताओं का विरोध पहली सूची को लेकर इस बात को लेकर भी है कि गोविंदपुरी निगम वार्ड के पूर्व पार्षद चंद्र प्रकाश को शाम छह बजे के करीब भाजपा परिवार में शामिल किया गया और पहली सूची जारी होने के एक घंटे में ही उनको प्रत्याशी बना दिया गया। भाजपा सूत्रों का कहना है कि सांसदों व विधायकों, प्रदेश पदाधिकारियों के खाते में कई वार्ड के प्रत्याशी को जगह तो मिली है बावजूद उनमें नाराजगी है।

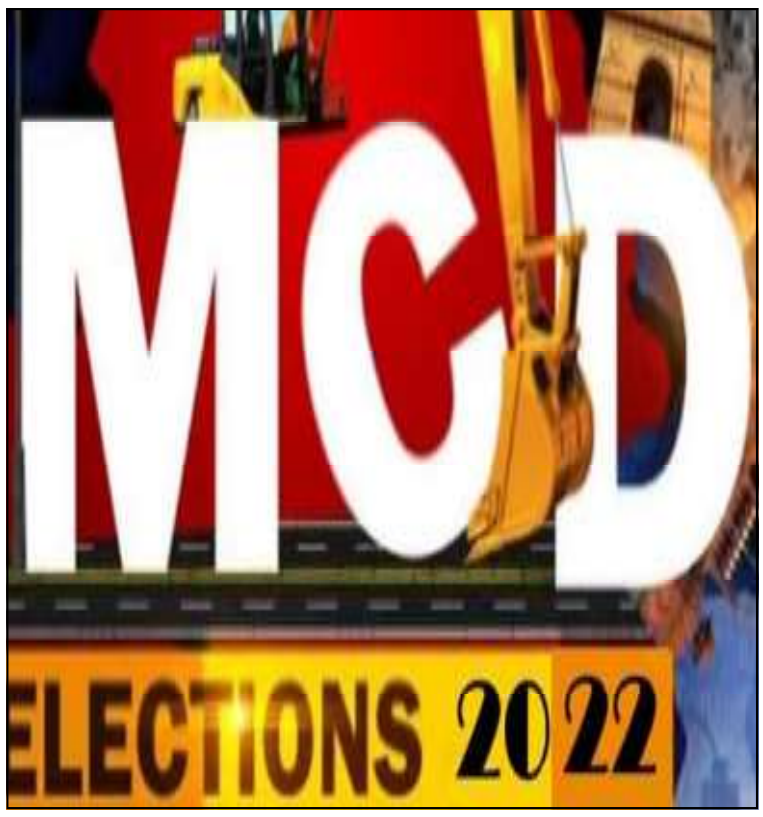

छात्र को जबरन पिलाई शराब, फिर की दरिंदगी, पीड़िता के दांत काटने पर भी नहीं रुका दरिंदा

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर स्थित छप्ज के एक असिस्टेंट प्रोफेसर ने प्ज्ज एक छात्रा से दुष्कर्म किया। आरोपी दिल्ली के एक होटल में छात्रा को ले गया और उसे जबरदस्ती शराब पिलाई। इसके बाद लड़की से अश्लील हरकतें करने लगा। बचाव में छात्रा ने आरोपी असिस्टेंट प्रोफेसर को लैपटॉप से मारा, उसे दांत से काट लिया और किसी तरह से खुद को बचाया। छात्रा की शिकायत के बाद दिल्ली के प्ळप् थाना पुलिस ने भाग रहे आरोपी को एयरपोर्ट से गिरफ्तार कर लिया है। पढ़ाई के दौरान छात्रा से हुई थी दोस्ती जानकारी के मुताबिक, उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद निवासी मयंक तेनगुरिया (32) रायपुर स्थित छप्ज में असिस्टेंट प्रोफेसर है। कुछ साल पहले हमीदपुर छप्ज में पढ़ाई के दौरान उसकी पहचान वहां 26 साल की जूनियर छात्रा से हुई थी। इसके बाद दोनों में दोस्ती हो गई। छात्रा का आरोप है कि 30 अक्तूबर को मयंक दिल्ली आया था। यहां उसने छात्रा को बुलाया और उसे लेकर प्ठै होटल गया। वहां दोनों को साथ में डिनर करना था, लेकिन आरोपी ने शराब पी और छात्रा को भी जबरदस्ती पिलाई। कपड़े हटाए और करने लगा किस

छात्रा का आरोप है कि मयंक को पता था कि वह शराब नहीं पीती है, फिर भी पिलाता रहा। इसके बाद उसकी हालत बिगड़ने लगी। तड़के करीब 4 बजे छात्रा की नींद खुली तो उसने खुद को होटल के कमरे में पाया। आरोप है कि वहां मयंक उसके ऊपर बैठा हुआ था और गलत हरकत कर रहा था। मयंक ने छात्रा के कपड़े ऊपर कर दिए थे और उसको जबरदस्ती किस करते हुए अश्लील हरकत कर रहा था। छात्रा ने उसे रोकने का प्रयास किया, लेकिन वह नहीं मान रहा था।

खुद को छुड़ाने छात्रा ने दांत से काटा, लैपटॉप मारा

इसके बाद छात्रा ने खुद को छुड़ाने के का प्रयास किया। अपना बचाव करने के लिए छात्रा ने आरोपी असिस्टेंट प्रोफेसर मयंक को लैपटॉप फेंककर मारा। उसके शरीर के कई हिस्सों में दांत से काटकर जख्मी कर दिया। इस पर आरोपी मयंक वहां से भागा। इसके बाद छात्रा ने अपने दोस्तों को सूचना दी और पुलिस के पास पहुंची। पुलिस ने आरोपी को भागने के दौरान एयरपोर्ट से गिरफ्तार कर लिया है।

मैनपुरी में शाक्य और खतौली में सैनी पर दांव लगाने की तैयारी में भाजपा, केंद्रीय नेतृत्व लेगा निर्णय

सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव के निधन से खाली हुई मैनपुरी लोकसभा सीट पर हो रहे उपचुनाव में भाजपा शाक्य प्रत्याशी पर दांव लगा सकती है। वहीं भाजपा विधायक विक्रम सिंह सैनी को दो वर्ष की सजा से खाली हुई मुजफ्फरनगर की खतौली विधानसभा सीट पर सैनी वोट बैंक को साधने के लिए सैनी प्रत्याशी को ही उतारा जा सकता है। तो रामपुर में सपा के पूर्व विधायक आजम खां के खिलाफ संघर्ष करने वाले आकाश सक्सेना को फिर उम्मीदवार बनाया जा सकता है।सीएम आवास पर शनिवार शाम मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी की अध्यक्षता में पार्टी की कोर कमेटी की बैठक में तीनों सीटों पर उपचुनाव में प्रत्याशियों का पैनल पर मुहर लगाई गई। इस दौरान मैनपुरी में शाक्य समाज के प्रत्याशी को चुनाव लड़ाने पर मंथन हुआ। बैठक में सपा छोड़कर भाजपा में शामिल हुए पूर्व सांसद रघुराज शाक्य, ममतेश शाक्य, प्रेम पाल और सतीश पाल के नाम पर मंथन हुआ। वहीं पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह, मैनपुरी जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह राठौर के नाम पर भी चर्चा हुई।सूत्रों के मुताबिक रामपुर उपचुनाव में भाजपा के आकाश सक्सेना टिकट के प्रबल दावेदार हैं। अभय गुप्ता और भारत भूषण गुप्ता का नाम भी पैनल में शामिल है। उधर, खतौली से पूर्व विधायक विक्रम सिंह सैनी की पत्नी राजकुमारी सैनी, सुधीर सैनी, रुपेंद्र सैनी और प्रदीप सैनी के नाम पर मंथन हुआ। बैठक में प्रदेश प्रभारी राधामोहन सिंह और प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह भी मौजूद थे। सूत्रों के मुताबिक प्रत्येक सीट से तीन–तीन उम्मीदवार के नाम तय करने के बाद पैनल केंद्रीय नेतृत्व को भेज दिया गया। केंद्रीय नेतृत्व रविवार शाम या सोमवार दोपहर तक प्रत्याशियों की घोषणा कर सकता है।चुनावी रणनीति पर भी हुआ मंथन तीनों सीटों पर हो रहे उप चुनाव में भाजपा शाक्य प्रत्याशी पर दांव लगा सकती है।सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव के निधन से खाली हुई मैनपुरी लोकसभा सीट पर हो रहे उपचुनाव में भाजपा शाक्य प्रत्याशी पर दांव लगा सकती है। वहीं भाजपा विधायक विक्रम सिंह सैनी को दो वर्ष की सजा से खाली हुई मुजफ्फरनगर की खतौली विधानसभा सीट पर सैनी वोट बैंक को साधने के लिए सैनी प्रत्याशी को ही उतारा जा सकता है। तो रामपुर में सपा के पूर्व विधायक आजम खां के खिलाफ संघर्ष करने वाले आकाश सक्सेना को फिर उम्मीदवार बनाया जा सकता है।सीएम आवास पर शनिवार शाम मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी की अध्यक्षता में पार्टी की कोर कमेटी की बैठक में तीनों सीटों पर उपचुनाव में प्रत्याशियों का पैनल पर मुहर लगाई गई। इस दौरान मैनपुरी में शाक्य समाज के प्रत्याशी को चुनाव लड़ाने पर मंथन हुआ। बैठक में सपा छोड़कर भाजपा में शामिल हुए पूर्व सांसद रघुराज शाक्य, ममतेश शाक्य, प्रेम पाल और सतीश पाल के नाम पर मंथन हुआ। वहीं पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह, मैनपुरी जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह राठौर के नाम पर भी चर्चा हुई।सूत्रों के मुताबिक रामपुर उपचुनाव में भाजपा के आकाश सक्सेना टिकट के प्रबल दावेदार हैं। अभय गुप्ता और भारत भूषण गुप्ता का नाम भी पैनल में शामिल है। उधर, खतौली से पूर्व विधायक विक्रम सिंह सैनी की पत्नी राजकुमारी सैनी, सुधीर सैनी, रुपेंद्र सैनी और प्रदीप सैनी के नाम पर मंथन हुआ। बैठक में प्रदेश प्रभारी राधामोहन सिंह और प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह भी मौजूद थे। सूत्रों के मुताबिक प्रत्येक सीट से तीन–तीन उम्मीदवार के नाम तय करने के बाद पैनल केंद्रीय नेतृत्व को भेज दिया गया। केंद्रीय नेतृत्व रविवार शाम या सोमवार दोपहर तक प्रत्याशियों की घोषणा कर सकता है।चुनावी रणनीति पर भी हुआ मंथन तीनों सीटों पर हो रहे उप चुनाव में भाजपा शाक्य प्रत्याशी पर दांव लगा सकती है।सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव के निधन से खाली हुई मैनपुरी लोकसभा सीट पर हो रहे उपचुनाव में भाजपा शाक्य प्रत्याशी पर दांव लगा सकती है। वहीं भाजपा विधायक विक्रम सिंह सैनी को दो वर्ष की सजा से खाली हुई मुजफ्फरनगर की खतौली विधानसभा सीट पर सैनी वोट बैंक को साधने के लिए सैनी प्रत्याशी को ही उतारा जा सकता है। तो रामपुर में सपा के पूर्व विधायक आजम खां के खिलाफ संघर्ष करने वाले आकाश सक्सेना को फिर उम्मीदवार बनाया जा सकता है।सीएम आवास पर शनिवार शाम मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी की अध्यक्षता में पार्टी की कोर कमेटी की बैठक में तीनों सीटों पर उपचुनाव में प्रत्याशियों का पैनल पर मुहर लगाई गई। इस दौरान मैनपुरी में शाक्य समाज के प्रत्याशी को चुनाव लड़ाने पर मंथन हुआ। बैठक में सपा छोड़कर भाजपा में शामिल हुए पूर्व सांसद रघुराज शाक्य, ममतेश शाक्य, प्रेम पाल और सतीश पाल के नाम पर मंथन हुआ। वहीं पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह, मैनपुरी जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह राठौर के नाम पर भी चर्चा हुई।सूत्रों के मुताबिक रामपुर उपचुनाव में भाजपा के आकाश सक्सेना टिकट के प्रबल दावेदार हैं। अभय गुप्ता और भारत भूषण गुप्ता का नाम भी पैनल में शामिल है। उधर, खतौली से पूर्व विधायक विक्रम सिंह सैनी की पत्नी राजकुमारी सैनी, सुधीर सैनी, रुपेंद्र सैनी और प्रदीप सैनी के नाम पर मंथन हुआ। बैठक में प्रदेश प्रभारी राधामोहन सिंह और प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह भी मौजूद थे। सूत्रों के मुताबिक प्रत्येक सीट से तीन–तीन उम्मीदवार के नाम तय करने के बाद पैनल केंद्रीय नेतृत्व को भेज दिया गया। केंद्रीय नेतृत्व रविवार शाम या सोमवार दोपहर तक प्रत्याशियों की घोषणा कर सकता है।

आवश्यकता है

झुग्गी झोपडी हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
एवमं
JJ News Portal
के लिये उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जिले

के लिए संवाददाता, पेजमेकर आपरेटर,
विज्ञापन प्रतिनिधि और एजेंसी / ब्यूरो
चीफ बनने हेतु सम्पर्क करे !

सम्पादक - संजय कुमार यादव
9918366626 9454084311
पता
277/129, चकिया, जगमल का हाता,
पीएनबी एटीएम के पास

872 रुपये के मीटर का ले रहे छह हजार, 5144 रुपये महंगा बेचा जा रहा स्मार्ट मीटर

केस एक प्रेम नरायन तिवारी ने हुसैनगंज डिवीजन में प्रीपेड बिजली कनेक्शन के लिए आवेदन किया। इंजीनियर ने इसका स्टीमेट ऑटोमैटिक जनरेट किया, जो 7568.52 रुपये का बना। इसमें लाइन चार्ज के 398 रुपये थे। सिंगल फेज प्रीपेड स्मार्ट मीटर के 6016 रुपये लिए गए, जबकि असल में इसकी कीमत 872 रुपये ही थी।केस दो सीजी सिटी स्थित कृतिका अपार्टमेंट निवासी नीलोफर ने जुलाई में तीन किलोवाट प्रीपेड बिजली कनेक्शन के लिए आवेदन किया। इनसे भी स्मार्ट मीटर के 6016 रुपये वसूले। साथ ही इस पर 18 फीसदी जीएसटी के 1082.88 रुपये लिए गए। असल में 872 रुपये के मीटर पर जीएसटी की रकम महज 156.96 रुपये बनती थी।हाईटेक होने का दम भरने वाली यूपी पावर कॉर्पोरेशन की आईटी सेल बिजली उपभोक्ताओं को 'झटका' दे रही है। इसके जिम्मेदारों की लापरवाही के चलते चार महीने से प्रीपेड कनेक्शन का 872 रुपये का स्मार्ट मीटर 6016 रुपये में बेचा जा रहा है। ये उदाहरण तो बानगी भर हैं, असल में लखनऊ में औसतन हर महीने करीब चार हजार आवेदकों को स्मार्ट मीटर के 5144 रुपये अधिक चुकाने पड़ रहे हैं।शासन ने बहुमंजिला इमारतों व सरकारी कॉलोनियों में अब प्रीपेड मीटर से ही बिजली कनेक्शन देने के आदेश दिए हैं।केस एक प्रेम नरायन तिवारी ने हुसैनगंज डिवीजन में प्रीपेड बिजली कनेक्शन के लिए आवेदन किया। इंजीनियर ने इसका स्टीमेट ऑटोमैटिक जनरेट किया, जो 7568.52 रुपये का बना। इसमें लाइन चार्ज के 398 रुपये थे। सिंगल फेज प्रीपेड स्मार्ट मीटर के 6016 रुपये लिए गए, जबकि असल में इसकी कीमत 872 रुपये ही थी।केस दो सीजी सिटी स्थित कृतिका अपार्टमेंट निवासी नीलोफर ने जुलाई में तीन किलोवाट प्रीपेड बिजली कनेक्शन के लिए आवेदन किया। इनसे भी स्मार्ट मीटर के 6016 रुपये वसूले। साथ ही इस पर 18 फीसदी जीएसटी के 1082.88 रुपये लिए गए। असल में 872 रुपये के मीटर पर जीएसटी की रकम महज 156.96 रुपये बनती थी।हाईटेक होने का दम भरने वाली यूपी पावर कॉर्पोरेशन की आईटी सेल बिजली उपभोक्ताओं को 'झटका' दे रही है। इसके जिम्मेदारों की लापरवाही के चलते चार महीने से प्रीपेड कनेक्शन का 872 रुपये का स्मार्ट मीटर 6016 रुपये में बेचा जा रहा है। ये उदाहरण तो बानगी भर हैं, असल में लखनऊ में औसतन हर महीने करीब चार हजार आवेदकों को स्मार्ट मीटर के 5144 रुपये अधिक चुकाने पड़ रहे हैं।शासन ने बहुमंजिला इमारतों व सरकारी कॉलोनियों में अब प्रीपेड मीटर से ही बिजली कनेक्शन देने के आदेश दिए हैं। कॉर्पोरेशन ने सिंगल फेज स्मार्ट मीटर की कीमत 872 रुपये तय की है। पोस्टपेड कनेक्शन में तो स्मार्ट मीटर की इतनी ही कीमत ली जा रही है, लेकिन प्रीपेड कनेक्शन में इस मीटर के 6016 रुपये जमा कराए जा रहे हैं। मध्यांचल निगम के निदेशक (वाणिज्य) योगेश कुमार ने इस खामी को स्वीकार करते हुए कार्रवाई की बात कही है।झटपट पोर्टल का गड़बड़झाला आईटी सेल ने घरेलू व व्यावसायिक बिजली के नए कनेक्शन के लिए झटपट पोर्टल बनाया है। इस पर आवेदन के बाद जूनियर इंजीनियर इस्टीमेट बनाते हैं। इंजीनियरों ने बताया कि स्टीमेट के लिए पोस्टपेड कनेक्शन का विकल्प भरते ही स्मार्ट मीटर की लागत 872 व प्रीपेड कनेक्शन के लिए 6016 रुपये अपने आप चार्ज हो रही है। यह सब झटपट पोर्टल की गड़बड़ी से हो रहा है। जानकारी अनुसार पहले प्रीपेड बिजली कनेक्शन के लिए सिक्योर एवं जीनस कंपनी के बटन सिस्टम का मीटर लगता था। कॉर्पोरेशन ने इसकी कीमत 6016 रुपये तय कर झटपट पोर्टल पर फीड कर दी। अभी प्रीपेड कनेक्शन पर इनर्जी इफिसियंसी सर्विस कंपनी का 872 रुपये का स्मार्ट मीटर लगाया जा रहा है, लेकिन आईटी कंपनी ने इसकी कीमत पोर्टल पर फीड ही नहीं की।स्मार्ट मीटर एक, कीमत अलग–अलग पावर कॉर्पोरेशन इनर्जी इफिसियंसी सर्विस कंपनी का स्मार्ट मीटर खरीदकर बिजली कनेक्शन पर लगा रहा है। इसमें पोस्टपेड, प्रीपेड एवं नेट मीटरिंग सेवा देने की तकनीक है। कॉर्पोरेशन ये मीटर एक ही कीमत पर खरीद रही है, लेकिन जनता को पोस्टपेड एवं प्रीपेड कनेक्शन के लिए मीटर अलग–अलग कीमत में बेचे जा रहे हैं। दूर कराएंगे आईटी सिस्टम की खामी यूपी पावर कॉर्पोरेशन आईटी सिस्टम के निदेशक (वाणिज्य) अमित कुमार श्रीवास्तव का कहना है कि खामी के कारण एक ही मीटर की पोस्टपेड एवं प्रीपेड कनेक्शन में अलग–अलग कीमत चार्ज हो रही है। आईटी सेल से बात करके इस खामी को दूर कराया जाएगा। कॉर्पोरेशन ने सिंगल फेज स्मार्ट मीटर की कीमत 872 रुपये तय की है। पोस्टपेड कनेक्शन में तो स्मार्ट मीटर की इतनी ही कीमत ली जा रही है, लेकिन प्रीपेड कनेक्शन में इस मीटर के 6016 रुपये जमा कराए जा रहे हैं। मध्यांचल निगम के निदेशक (वाणिज्य) योगेश कुमार ने इस खामी को स्वीकार करते हुए कार्रवाई की बात कही है।झटपट पोर्टल का गड़बड़झाला आईटी सेल ने घरेलू व व्यावसायिक बिजली के नए कनेक्शन के लिए झटपट पोर्टल बनाया है। इस पर आवेदन के बाद जूनियर इंजीनियर इस्टीमेट बनाते हैं। इंजीनियरों ने बताया कि स्टीमेट के लिए पोस्टपेड कनेक्शन का विकल्प भरते ही स्मार्ट मीटर की लागत 872 व प्रीपेड कनेक्शन के लिए 6016 रुपये अपने आप चार्ज हो रही है। यह सब झटपट पोर्टल की गड़बड़ी से हो रहा है। जानकारी अनुसार पहले प्रीपेड बिजली कनेक्शन के लिए सिक्योर एवं जीनस कंपनी के बटन सिस्टम का मीटर लगता था। कॉर्पोरेशन ने इसकी कीमत 6016 रुपये तय कर झटपट पोर्टल पर फीड कर दी। अभी प्रीपेड कनेक्शन पर इनर्जी इफिसियंसी सर्विस कंपनी का 872 रुपये का स्मार्ट मीटर लगाया जा रहा है, लेकिन आईटी कंपनी ने इसकी कीमत पोर्टल पर फीड ही नहीं की।स्मार्ट मीटर एक, कीमत अलग–अलग पावर कॉर्पोरेशन इनर्जी इफिसियंसी सर्विस कंपनी का स्मार्ट मीटर खरीदकर बिजली कनेक्शन पर लगा रहा है। इसमें पोस्टपेड, प्रीपेड एवं नेट मीटरिंग सेवा देने की तकनीक है। कॉर्पोरेशन ये मीटर एक ही कीमत पर खरीद रही है, लेकिन जनता को पोस्टपेड एवं प्रीपेड कनेक्शन के लिए मीटर अलग–अलग कीमत में बेचे जा रहे हैं। दूर कराएंगे आईटी सिस्टम की खामी यूपी पावर कॉर्पोरेशन आईटी सिस्टम के निदेशक (वाणिज्य) अमित कुमार श्रीवास्तव का कहना है कि खामी के कारण एक ही मीटर की पोस्टपेड एवं प्रीपेड कनेक्शन में अलग–अलग कीमत चार्ज हो रही है। आईटी सेल से बात करके इस खामी को दूर कराया जाएगा।केस एक प्रेम नरायन तिवारी ने हुसैनगंज डिवीजन में प्रीपेड बिजली कनेक्शन के लिए आवेदन किया। इंजीनियर ने इसका स्टीमेट ऑटोमैटिक जनरेट किया, जो 7568.52 रुपये का बना। इसमें लाइन चार्ज के 398 रुपये थे। सिंगल फेज प्रीपेड स्मार्ट मीटर के 6016 रुपये लिए गए, जबकि असल में इसकी कीमत 872 रुपये ही थी।केस दो सीजी सिटी स्थित कृतिका अपार्टमेंट निवासी नीलोफर ने जुलाई में तीन किलोवाट प्रीपेड बिजली कनेक्शन के लिए आवेदन किया। इनसे भी स्मार्ट मीटर के 6016 रुपये वसूले। साथ ही इस पर 18 फीसदी जीएसटी के 1082.88 रुपये लिए गए। असल में 872 रुपये के मीटर पर जीएसटी की रकम महज 156.96 रुपये बनती थी।हाईटेक होने का दम भरने वाली यूपी पावर कॉर्पोरेशन की आईटी सेल बिजली उपभोक्ताओं को 'झटका' दे रही है। इसके जिम्मेदारों की लापरवाही के चलते चार महीने से प्रीपेड कनेक्शन का 872 रुपये का स्मार्ट मीटर 6016 रुपये में बेचा जा रहा है। ये उदाहरण तो बानगी भर हैं, असल में लखनऊ में औसतन हर महीने करीब चार हजार आवेदकों को स्मार्ट मीटर के 5144 रुपये अधिक चुकाने पड़ रहे हैं।शासन ने बहुमंजिला इमारतों व सरकारी कॉलोनियों में अब प्रीपेड मीटर से ही बिजली कनेक्शन देने के आदेश दिए हैं। कॉर्पोरेशन ने सिंगल फेज स्मार्ट मीटर की कीमत 872 रुपये तय की है। पोस्टपेड कनेक्शन में तो स्मार्ट मीटर की इतनी ही कीमत ली जा रही है, लेकिन प्रीपेड कनेक्शन में इस मीटर के 6016 रुपये जमा कराए जा रहे हैं। मध्यांचल निगम के निदेशक (वाणिज्य) योगेश कुमार ने इस खामी को स्वीकार करते हुए कार्रवाई की बात कही है।झटपट पोर्टल का गड़बड़झाला आईटी सेल ने घरेलू व व्यावसायिक बिजली के नए कनेक्शन के लिए झटपट पोर्टल बनाया है। इस पर आवेदन के बाद जूनियर इंजीनियर इस्टीमेट बनाते हैं। इंजीनियरों ने बताया कि स्टीमेट के लिए पोस्टपेड कनेक्शन का विकल्प भरते ही स्मार्ट मीटर की लागत 872 व प्रीपेड कनेक्शन के लिए 6016 रुपये अपने आप चार्ज हो रही है। यह सब झटपट पोर्टल की गड़बड़ी से हो रहा है। जानकारी अनुसार पहले प्रीपेड बिजली कनेक्शन के लिए सिक्योर एवं जीनस कंपनी के बटन सिस्टम का मीटर लगता था। कॉर्पोरेशन ने इसकी कीमत 6016 रुपये तय कर झटपट पोर्टल पर फीड कर दी। अभी प्रीपेड कनेक्शन पर इनर्जी इफिसियंसी सर्विस कंपनी का 872 रुपये का स्मार्ट मीटर लगाया जा रहा है, लेकिन आईटी कंपनी ने इसकी कीमत पोर्टल पर फीड ही नहीं की।स्मार्ट मीटर एक, कीमत अलग–अलग पावर कॉर्पोरेशन इनर्जी इफिसियंसी सर्विस कंपनी का स्मार्ट मीटर खरीदकर बिजली कनेक्शन पर लगा रहा है। इसमें पोस्टपेड, प्रीपेड एवं नेट मीटरिंग सेवा देने की तकनीक है। कॉर्पोरेशन ये मीटर एक ही कीमत पर खरीद रही है, लेकिन जनता को पोस्टपेड एवं प्रीपेड कनेक्शन के लिए मीटर अलग–अलग कीमत में बेचे जा रहे हैं। दूर कराएंगे आईटी सिस्टम की खामी यूपी पावर कॉर्पोरेशन आईटी सिस्टम के निदेशक (वाणिज्य) अमित कुमार श्रीवास्तव का कहना है कि खामी के कारण एक ही मीटर की पोस्टपेड एवं प्रीपेड कनेक्शन में अलग–अलग कीमत चार्ज हो रही है। आईटी सेल से बात करके इस खामी को दूर कराया जाएगा। निवासी नीलोफर ने जुलाई में तीन किलोवाट प्रीपेड बिजली कनेक्शन के लिए आवेदन किया। इनसे भी स्मार्ट मीटर के 6016 रुपये वसूले। साथ ही इस पर 18 फीसदी जीएसटी के 1082.88 रुपये लिए गए। असल में 872 रुपये के मीटर पर जीएसटी की रकम महज 156.96 रुपये बनती थी।हाईटेक होने का दम भरने वाली यूपी पावर कॉर्पोरेशन की आईटी सेल बिजली उपभोक्ताओं को 'झटका' दे रही है। इसके जिम्मेदारों की लापरवाही के चलते चार महीने से प्रीपेड कनेक्शन का 872 रुपये का स्मार्ट मीटर 6016 रुपये में बेचा जा रहा है। ये उदाहरण तो बानगी भर हैं, असल में लखनऊ में औसतन हर महीने करीब चार हजार आवेदकों को स्मार्ट मीटर के 5144 रुपये अधिक चुकाने पड़ रहे हैं।शासन ने बहुमंजिला इमारतों व सरकारी कॉलोनियों में अब प्रीपेड मीटर से ही बिजली कनेक्शन देने के आदेश दिए हैं। कॉर्पोरेशन ने सिंगल फेज स्मार्ट मीटर की कीमत 872 रुपये तय की है। पोस्टपेड कनेक्शन में तो स्मार्ट मीटर की इतनी ही कीमत ली जा रही है, लेकिन प्रीपेड कनेक्शन में इस मीटर के 6016 रुपये जमा कराए जा रहे हैं। मध्यांचल निगम के निदेशक (वाणिज्य) योगेश कुमार ने इस खामी को स्वीकार करते हुए कार्रवाई की बात कही है।झटपट पोर्टल का गड़बड़झाला आईटी सेल ने घरेलू व व्यावसायिक बिजली के नए कनेक्शन के लिए झटपट पोर्टल बनाया है। इस पर आवेदन के बाद जूनियर इंजीनियर इस्टीमेट बनाते हैं। इंजीनियरों ने बताया कि स्टीमेट के लिए पोस्टपेड कनेक्शन का विकल्प भरते ही स्मार्ट मीटर की लागत 872 व प्रीपेड कनेक्शन के लिए 6016 रुपये अपने आप चार्ज हो रही है। यह सब झटपट पोर्टल की गड़बड़ी से हो रहा है। जानकारी अनुसार पहले प्रीपेड बिजली कनेक्शन के लिए सिक्योर एवं जीनस कंपनी के बटन सिस्टम का मीटर लगता था। कॉर्पोरेशन ने इसकी कीमत 6016 रुपये तय कर झटपट पोर्टल पर फीड कर दी। अभी प्रीपेड कनेक्शन पर इनर्जी इफिसियंसी सर्विस कंपनी का 872 रुपये का स्मार्ट मीटर लगाया जा रहा है, लेकिन आईटी कंपनी ने इसकी कीमत पोर्टल पर फीड ही नहीं की।स्मार्ट मीटर एक, कीमत अलग–अलग पावर कॉर्पोरेशन इनर्जी इफिसियंसी सर्विस कंपनी का स्मार्ट मीटर खरीदकर बिजली कनेक्शन पर लगा रहा है। इसमें पोस्टपेड, प्रीपेड एवं नेट मीटरिंग सेवा देने की तकनीक है। कॉर्पोरेशन ये मीटर एक ही कीमत पर खरीद रही है, लेकिन जनता को पोस्टपेड एवं प्रीपेड कनेक्शन के लिए मीटर अलग–अलग कीमत में बेचे जा रहे हैं। दूर कराएंगे आईटी सिस्टम की खामी यूपी पावर कॉर्पोरेशन आईटी सिस्टम के निदेशक (वाणिज्य) अमित कुमार श्रीवास्तव का कहना है कि खामी के कारण एक ही मीटर की पोस्टपेड एवं प्रीपेड कनेक्शन में अलग–अलग कीमत चार्ज हो रही है। आईटी सेल से बात करके इस खामी को दूर कराया जाएगा।

गिफ्ट सिटी की तर्ज पर विकसित की जाएगी नव्य अयोध्या

वैदिक सिटी (नव्य अयोध्या) के नाम से आकार लेने वाली 'ग्रीन फील्ड टाउनशिप' में अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं मिलेंगी। इसके लिए जिला प्रशासन व आवास विकास विभाग की टीम देश में स्मार्ट सिटी की व्यवस्था का अध्ययन कर रही है। हाल ही में मंडलायुक्त नवदीप रिणवा की अगुवाई में आवास विकास विभाग की एक टीम ने अहमदाबाद गुजरात जाकर वहां गिफ्ट सिटी की व्यवस्था जायजा लिया। कुछ इसी तर्ज पर नव्य अयोध्या को आकार देने की तैयारी है।

नव्य अयोध्या 1450 एकड़ में आकार लेगी। पहले चरण के लिए 83.54 फीसदी भूमि का अधिग्रहण हो चुका है। सड़क, वाटर लाइन, सीवर, की सुविधा विकसित करने के लिए 475 करोड़ का ग्लोबल टेंडर भी हो चुका है। योजना में 80 देशों के गेस्ट हाउस, राज्यों के अतिथि निवास सहित मठ–मंदिर व आश्रम भी होंगे। योजना में अब तक आठ राज्यों के लिए जमीन आरक्षित की जा चुकी है। नेपाल व श्रीलंका ने भी टाउनशिप में जमीन मांगी है। गांधीनगर के पास बन रही गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक सिटी (गिफ्ट) भारत की सबसे पहली स्मार्ट सिटी है। यह 886 एकड़ में फैली है। आवास विकास विभाग के अधिशाषी अभियंता ओपी पांडेय ने बताया कि नव्य अयोध्या अंतरराष्ट्रीय सुविधाओं से लैस होगी। यहां निर्माण में बेहतर तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा।

यूनीक होगा वैदिक सिटी का इंफ्रास्ट्रक्चर

गिफ्ट सिटी की तरह ही नव्य अयोध्या का इंफ्रास्ट्रक्चर यूनीक होगा। परिसर में डिस्ट्रिक्ट कूलिंग सिस्टम, यूटिलिटी टनल, कचरा एकत्र करने के लिए ऑटोमेटिक सिस्टम जैसी सुविधाएं होंगी। वैदिक सिटी में राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय बैंक, आईटी व बीमा कंपनियों के टावर भी बनाए जाएंगे। इसके लिए एक अंतरराष्ट्रीय आर्किटेक्ट के मदद ली जा रही है।

यूपी दिवस पर होगी लॉन्चिंग

आवास विकास विभाग के अधिशाषी अभियंता ओपी पांडेय ने बताया कि यूपी दिवस पर 25 जनवरी को इस योजना की लॉन्चिंग भी प्रस्तावित है। आधिकारिक रूप से इसी दिन से योजना का कार्य प्रारंभ माना जाएगा। दिसंबर 2023 तक योजना के पहले चरण का काम पूरा हो जाने की संभावना है।

जिनके सामने 1962 में चीनी सैनिकों ने टेक दिए थे घुटने, देश के गुमनाम हीरो की शहादत को सम्मान की आस

अंग्रेजों से आजाद होने के बाद भारत को पाकिस्तान और चीन से युद्ध करने पड़े थे। आज भी जब कभी इन लड़ाइयों का जिक्र होता है तो देश के उन वीर जवानों को भी याद किया जाता है जिन्होंने विरोधियों ना केवल धूल चटाई बल्कि देश के लिए अपनी जान भी कुर्बान कर दी। चीन के साथ हुए युद्ध में भी भारतीय सेना के ऐसे ही नायक थे जिनका नाम था शेरे सिंह थापा। शेर सिंह थापा को आज गुमनामी में हैं। ऐज भले ही ज्यादा लोग उनके बारे में ना जानते हों, लेकिन चीन के साथ हुए युद्ध के वो हीरो थे। आधिकारिक रिकॉर्ड के अनुसार, उन्होंने नवंबर, 1962 में अरुणाचल के सुबनसिरी सेक्टर में हुई लड़ाई में अकेले 79 चीनी सैनिकों को मार गिराया था। लेकिन उस युद्ध के 60 साल होने के बाद भी उनकी बहादुरी को सम्मान और पहचान का इंतजार है। इतने सालों में देश में कई प्रधानमंत्री बदल गए लेकिन शेरे सिंह थापा को किसी ने वो सम्मान नहीं दिया जिसके वे हकदार थे।

सम्मान का इंतजार

अरुणाचल के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने इस साल की शुरुआत में ट्वीट करके उनको याद किया था। खांडू ने गुमनाम नायक थापा की एक प्रतिमा का अनावरण करने के बाद ट्वीट करते हुए लिखा था कि "हम भारतीय सेना के हवलदार शेरे थापा के बारे में बहुत कम जानते हैं, जिन्होंने 1962 के युद्ध के दौरान ऊपरी सुबनसिरी सेक्टर में अकेले चीनी सेना के ताबड़तोड़ हमलों का जवाब दिया था।" उन्होंने यह भी लिखा था कि युद्ध के 60 साल बाद भी थापा की शहादत को केंद्र सरकार की तरफ से पहचान नहीं मिली है।

79 सैनिकों को अकेले मार गिराया था

आधिकारिक रिकॉर्ड के अनुसार, शेरे थापा भारतीय सेना की जम्मू– कश्मीर राइफल्स की दूसरी बटालियन में थे। उन्होंने नवंबर, 1962 में अरुणाचल प्रदेश के सुबनसिरी सेक्टर में हुई लड़ाई में अभूतपूर्व बहादुरी दिखाते हुए अकेले ही 79 चीनी सैनिकों को मार गिराया था और कई अन्य को घायल कर दिया था।

ऐसे दिखाई थी बहादुरी

कर्नल के रूप में सेवानिवृत्त हुए थापा के कमांडिंग ऑफिसर–सेकेंड लेफ्टिनेंट अमर पाटिल ने बताया कि साल 1928 में नेपाल में जन्मे थापा ने 27 दिसंबर, 1945 से 31 दिसंबर, 1956 तक जेके रेजीमेंट स्पेशल फोर्स में सेवाएं दी थीं। 1 जनवरी, 1957 को वे भारतीय सेना का हिस्सा बने थे। बाद में सूबेदार शेर बहादुर के मातहत उन्हें पलटन हवलदार नियुक्त किया गया। थापा को चीन–भारत सीमा से आने वाले रास्तों को कवर करने के लिए ऊपरी सुबनसिरी जिले में रियो ब्रिज के पास तमा चुंग चुंग रिज पर सुरक्षात्मक गश्त में तैनात किया गया था।

चीनियों के शवों का लग गया था अंबार

चीन से युद्ध के दौरान 18 नवंबर, 1962 को पीएलए (चीनी सेना) के लगभग 200 सैनिकों ने तमा चुंग चुंग रिज के रास्ते घुसपैठ करते हुए 2–जेएके आरआईएफ के सुरक्षात्मक गश्ती दल पर हमला कर दिया था। उस समय हवलदार थापा पहाड़ों पर सीमा की निगरानी कर रहे थे। उन्होंने चीनी सैनिकों के हमले का बहादुरी से जवाब दिया। उनके हमले में देखते ही देखते कई चीनी सैनिक ढेर हो गए। वह बिना कुछ खाए लगातार गोलीबारी करते रहे। तीन दिन चीनियों के पार्थिव शरीर वहीं पड़ा रहे। पाटिल ने कहा कि लड़ाई के दौरान चीनी सैनिकों के शवों का अंबार लग गया था। हालांकि बाद में वे एक चीनी सैनिक की गोली का शिकार हो गए। उन्होंने बताया कि शेरे थापा ने वीरता दिखाते हुए 72 घंटे तक चीनी सैनिकों को आगे बढ़ने से रोके रखा था। केंद्र ने अभी तक नहीं किया है शहादत को सलाम कर्नल के रूप में सेवानिवृत्त हुए थापा के कमांडिंग ऑफिसर–सेकेंड लेफ्टिनेंट अमर पाटिल ने कहा कि इतिहास के पन्नों में खोए इस शहीद को साठ बरस बाद भी पहचान नहीं मिली है। गौरतलब है कि अरुणाचल–पूर्व संसदीय क्षेत्र से लोकसभा सांसद तपीर गाओ ने पिछले साल सितंबर में नयी दिल्ली में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की थी। इस दौरान उन्होंने एक पत्र सौंपकर थापा को मरणोपरांत वीरता पुरस्कार प्रदान करने का अनुरोध किया था। हालांकि केंद्र सरकार ने उनकी शहादत को सम्मान देने का काम अभी तक नहीं किया है।

भाजपा नेता की हत्या के मामले में NIA ने चलाया तलाशी अभियान, 15वां आरोपी गिरफ्तार

भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजजुमो) के जिला सचिव प्रवीण नेतरू की हत्या के सिलसिले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने शनिवार को तलाशी अभियान चलाया और पंद्रहवें आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

क्या है पूरा मामला

कर्नाटक के बेल्लारे गांव निवासी प्रवीण पर 26 जुलाई, 2022 को कथित तौर पर पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के सदस्यों ने हमला किया था। एनआईए ने इस मामले की जांच को 4 अगस्त को अपने हाथों में लिया। इस मामले में 14 अन्य आरोपियों की पहले ही गिरफ्तारी हो चुकी है।

पीएफआई ने रची हत्या की साजिशरू एनआईए

एनआईए ने जांच में पाया कि मसूद नाम के व्यक्ति की हत्या का बदला लेने के लिए पीएफआई के नेताओं और सदस्यों ने कथित तौर पर प्रवीण नेतरू की हत्या की साजिश रची थी।

आरोपी के खिलाफ दर्ज थी एफआईआर

एजेंसी ने शनिवार को तलाशी अभियान चलाया और दक्षिण कन्नड़ जिले के बेल्लारे निवासी शहीद. एम को गिरफ्तार किया। उसके खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 120बी, 302, 34 और यूएपीए की धारा 16 व 18 के तहत मामला दर्ज किया गया था। श्आरोपी के घर से बरामद हुए आपत्तिजनक दस्तावेज एनआईए की ओर से जारी बयान के मुताबिक, जांच में पता चला है कि शहीद उस बैठक का हिस्सा था, जहां पीएफआई द्वारा कुछ राजनीतिक संगठनों के नेताओं को निशाना बनाने की साजिश रची गई थी। तलाशी के दौरान आरोपी के घर से आपत्तिजनक दस्तावेज भी बरामद किए गए हैं। आगे की जांच जारी है।

MEDIA NEWS हम बनेंगे आपकी आवाज
झुग्गी झोपड़ी हिन्दी दैनिक
आवश्यकता है
उत्तर प्रदेश व अन्य प्रदेश मे
कार्य करने हेतु लोगो की
आवश्यकता है
संपर्कः- 277/129 चकिया जगमल का हाता
जनपद प्रयागराज पिन कोड 211016
उत्तर प्रदेश
9918366626 , 9140343290

पाकिस्तान को हराकर इंग्लैंड बना टी-20 चौंपियन, मेलबर्न में 30 साल पुराना हिसाब बराबर किया

इंग्लैंड टी20 में दूसरी बार चौंपियन बनी है। इससे पहले टीम 2010 में भी टी20 चौंपियन बनी थी। तब इंग्लिश टीम के कप्तान पॉल कॉलिंगवुड थे। यह ओवरऑल इंग्लैंड का तीसरा विश्व कप खिताब है। 2019 में इंग्लैंड की टीम वनडे चौंपियन भी बनी थी। वहीं, पाकिस्तान का यह तीसरा फाइनल था। 2007 में पहले टी20 विश्व कप में पाकिस्तान को भारत के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। वहीं, 2009 में टीम टी20 चौंपियन बनी थी। अब 2022 में पाकिस्तान की टीम को एकबार फिर फाइनल में हार का सामना करना पड़ा।

15 ओवर के बाद इंग्लैंड ने चार विकेट पर 97 रन बना लिए हैं। उन्हें 30 गेंदों में 41 रन की जरूरत है। फिलहाल बेन स्टोक्स और मोईन अली क्रीज पर हैं। पाकिस्तान की गेंदबाजी वर्ल्ड क्लास रही है। उन्होंने कोई भी आसान मौका नहीं दिया है। पाकिस्तान के तेज गेंदबाजों ने पूरे मैच में इंग्लिश बल्लेबाजों पर दबाव बनाकर रखा है। शाहीन अफरीदी 16वें ओवर में चोटिल होकर मैदान से बाहर चले गए।

13 ओवर के बाद इंग्लैंड ने चार विकेट गंवाकर 87 रन बना लिए हैं। फिलहाल मोईन अली और बेन स्टोक्स क्रीज पर हैं। इंग्लैंड को अब 42 गेंदों में 51 रन की जरूरत है। शादाब खान के इस ओवर में हैरी ब्रूक आउट हुए। उन्होंने 23 गेंदों में 20 रन की पारी खेली। ब्रूक ने स्टोक्स के साथ चौथे विकेट के लिए 42 गेंदों में 39 रन की साझेदारी निभाई। इंग्लैंड को अब 42 गेंदों में 51 रन की जरूरत है।

तीन विकेट के नुकसान पर इंग्लैंड का स्कोर 50 रन के पार जा चुका है। बेन स्टोक्स और हैरी ब्रूक क्रीज पर हैं। इन दोनों खिलाड़ियों को बड़ी साझेदारी करनी होगी। इंग्लैंड ने शुरुआती ओवरों में तेजी से रन बनाए हैं, लेकिन तीन विकेट गिरने के बाद इस जोड़ी को संभलकर खेलना होगा। हालांकि, इंग्लैंड की बल्लेबाजी में गहराई है और डेथ ओवरों में यह टीम तेजी से रन बनाकर आसानी से लक्ष्य हासिल कर सकती है। आठ ओवर का खेल होने के बाद इंग्लैंड ने तीन विकेट खोकर 61 रन बना लिए हैं।

138 रन का पीछा करते हुए 45 रन के स्कोर पर इंग्लैंड का तीसरा विकेट गिरा है। कप्तान जोस बटलर 26 रन बनाकर आउट हो चुके हैं और अब इंग्लैंड के लिए मुश्किलें बढ़ रही हैं। पाकिस्तान के हारिस रऊफ ने विकेटकीपर रिजवान के हाथों बटलर को कैच आउट कराया। छह ओवर के बाद इंग्लैंड का स्कोर तीन विकेट पर 49 रन है। बेन स्टोक्स एक और हैरी ब्रूक चार रन बनाकर खेल रहे हैं।

इंग्लैंड को 32 के स्कोर पर दूसरा झटका लगा। हारिस रऊफ ने अपने पहले ही ओवर में फिलिप सॉल्ट को इफ्तिखार अहमद के हाथों कैच कराया। सॉल्ट नौ गेंदों में 10 रन बना सके। फिलहाल जोस बटलर 10 गेंदों में 20 रन और बेन स्टोक्स क्रीज पर हैं। इंग्लैंड को फिलहाल 106 रन की जरूरत है।

इंग्लैंड को पहले ही ओवर में बड़ा झटका लगा। भारत के खिलाफ पिछले मैच में प्लेयर ऑफ द मैच रहे एलेक्स हेल्स को शाहीन शाह अफरीदी ने क्लीन बोल्ड किया। वह दो गेंदों में एक रन बना सके। एक ओवर के बाद इंग्लैंड का स्कोर एक विकेट पर सात रन है। कप्तान बटलर और फिलिप सॉल्ट क्रीज पर हैं।

पाकिस्तान ने इंग्लैंड के सामने 138 रन का लक्ष्य रखा है। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान ने 20 ओवर में आठ विकेट गंवाकर 137 रन बनाए। पाकिस्तान की बल्लेबाजी फ्लॉप रही। छह बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू सके। शान मसूद ने सबसे ज्यादा 38 रन बनाए। वहीं, कप्तान बाबर ने 32 रन की पारी खेली। इंग्लैंड की ओर से सैम करन ने सबसे ज्यादा तीन विकेट लिए।

18वें ओवर में पाकिस्तान को छठा झटका लगा। क्रिस जॉर्डन ने शादाब खान को क्रिस वोक्स के हाथों कैच कराया। शादाब 14 गेंदों में 20 रन बना सके। फिलहाल मोहम्मद वसीम जूनियर और मोहम्मद नवाज क्रीज पर हैं। 18 ओवर के बाद पाकिस्तान का स्कोर छह विकेट पर 127 रन है।

17वें ओवर में 121 के स्कोर पर पाकिस्तान को पांचवां झटका लगा। सैम करन ने शान मसूद को लियाम लिविंगस्टोन के हाथों कैच कराया। मसूद ने 28 गेंदों में 38 रन की पारी खेली। अपनी पारी में उन्होंने दो चौके और एक छक्का लगाया। मसूद और शादाब खान के बीच पांचवें विकेट के लिए 25 गेंदों में 36 रन की साझेदारी हुई। फिलहाल शादाब खान 13 गेंदों में 20 रन और मोहम्मद नवाज एक रन बनाकर क्रीज पर हैं। 17 ओवर के बाद पाकिस्तान का स्कोर पांच विकेट पर 122 रन है।पाकिस्तान को 13वें ओवर में 85 के स्कोर पर चौथा झटका लगा। इफ्तिखार अहमद खाता खोले बिना पवेलियन लौटे। उन्हें बेन स्टोक्स ने विकेटकीपर जोस बटलर के हाथों कैच कराया। फिलहाल शान मसूद और शादाब खान बल्लेबाजी कर रहे हैं। 13 ओवर के बाद पाकिस्तान का स्कोर चार विकेट पर 90 रन है।

12 ओवर के बाद पाकिस्तान ने तीन विकेट गंवाकर 84 रन बना लिए हैं। शान मसूद 14 गेंदों में 23 रन और इफ्तिखार अहमद क्रीज पर हैं। इस ओवर आदिल रशीद ने कप्तान बाबर आजम को पवेलियन भेजा। बाबर 28 गेंदों में 32 रन बनाकर आउट हुए। बाबर ने शान मसूद के साथ 24 गेंदों में 39 रन की साझेदारी निभाई।

10 ओवर के बाद पाकिस्तान ने दो विकेट गंवाकर 68 रन बना लिए हैं। फिलहाल कप्तान बाबर आजम 25 गेंदों में 29 रन और शान मसूद 10 गेंदों में 11 रन बनाकर बल्लेबाजी कर रहे हैं। मोहम्मद रिजवान भी 14 रन बनाकर पवेलियन लौट चुके हैं। फिलहाल कप्तान बाबर आजम 20 गेंदों में 21 रन और शान मसूद एक रन बनाकर बल्लेबाजी कर रहे हैं। आठ ओवर के बाद पाकिस्तान का स्कोर दो विकेट पर 50 रन है।

छह ओवर के बाद पाकिस्तान ने एक विकेट गंवाकर 39 रन बना लिए हैं। कप्तान बाबर आजम 16 गेंदों में 16 रन और मोहम्मद हारिस सात गेंदों में चार रन बनाकर बल्लेबाजी कर रहे हैं। मोहम्मद रिजवान पवेलियन लौट चुके। उन्होंने 14 गेंदों में 15 रन की पारी खेली। रिजवान को सैम करन ने बोल्ड किया।पाकिस्तान को पांचवें ओवर में 29 के स्कोर पर पहला विकेट गंवाया। सैम करन ने मोहम्मद रिजवान को बोल्ड किया। गेंद रिजवान के बल्ले से लगकर विकेट पर लग गई। रिजवान 14 गेंदों में 15 रन बना सके। फिलहाल मोहम्मद हारिस और बाबर आजम क्रीज पर हैं। पांच ओवर के बाद पाकिस्तान का स्कोर एक

सोनम कपूर ने बेटे वायु के लिए बनवाई जंगल थीम वाली खास नर्सरी, रखा हर जरूरत का ध्यान

सोनम कपूर ने बेटे वायु के लिए बनवाई जंगल थीम वाली खास नर्सरी, रखा हर जरूरत का ध्यान

बॉलीवुड की मशहूर एक्ट्रेस सोनम कपूर के लिए साल 2022 बहुत खास रहा। सोनम कपूर और आनंद अहूजा माता–पिता बने हैं और उन्होंने अपने बेटे का नाम वायु कपूर अहूजा रखा है। सोनम और उनके पति आनंद अपने बेटे का बेहद खास तरीके से ध्यान रख रहे हैं। दोनों माता–पिता बनने के बाद खासे उत्साहित नजर आ रहे हैं। वहीं, अब सोनम कपूर ने अपने बेटे वायु के लिए खास कमरा तैयार करवाया है, जिसकी झलक अभिनेत्री ने सोशल मीडिया के जरिए फैंस को दिखाई है।

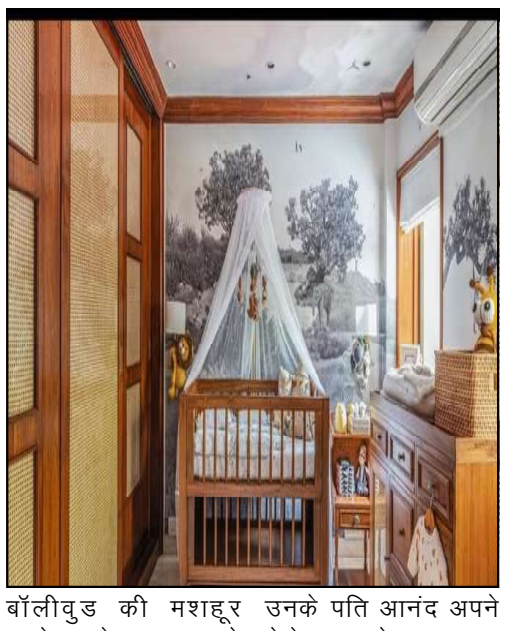

बॉलीवुड की मशहूर एक्ट्रेस सोनम कपूर के लिए साल 2022 बहुत खास रहा। सोनम कपूर और आनंद अहूजा माता–पिता बने हैं और उन्होंने अपने बेटे का नाम वायु कपूर अहूजा रखा है। सोनम और उनके पति आनंद अपने बेटे का बेहद खास तरीके से ध्यान रख रहे हैं। दोनों माता–पिता बनने के बाद खासे उत्साहित नजर आ रहे हैं। वहीं, अब सोनम कपूर ने अपने बेटे वायु के लिए खास कमरा तैयार करवाया है, जिसकी झलक अभिनेत्री ने सोशल मीडिया के जरिए फैंस को दिखाई है।सोनम कपूर ने इंस्टाग्राम पर बेटे वायु की नर्सरी की तस्वीरें शेयर की हैं। नर्सरी की तस्वीरें शेयर करते हुए सोनम कपूर ने एक नोट भी लिखा, जिसमें अभिनेत्री ने उन तमाम लोगों का आभार व्यक्त किया है जिन्होंने इस नर्सरी को बनाने में सहायता की। उन्होंने नर्सरी के डिजाइन और क्रिएटिव आर्ट वर्क के लिए धन्यवाद दिया है। सोनम के बेटे की नर्सरी में हर जरूरत का ख्याल रखा गया है।

नर्सरी में खास तौर पर लकड़ी से बने फर्नीचर लगाए गए हैं, जो नर्सरी की सुंदरता और भव्यता को निखार रहे हैं। नर्सरी का पूरा डिजाइन कुछ इस तरीके से किया गया है कि किसी को भी वहां बैठकर सुकून मिलेगा। इसके साथ ही नर्सरी में खिलौने और अन्य सामान रखने के लिए काफी जगह भी रखी गई। बेड पर कई अलग डिजाइन के क्यूट कुशन्स भी रखे हैं।

इसके अलावा, कमरे में काफी सारी खूबसूरत पेंटिंग्स लगी हुई हैं जो पूरे रूम को सकारात्मक ऊर्जा प्रदान कर रही है। बेबी वायु के रूम को इस तरह से डिजाइन किया गया है, जिसमें बच्चे के रिलैक्स करने के साथ सोनम और आनंद के आराम करने के लिए भी जगह दी गई है। इस नर्सरी में उन सब बातों का ध्यान रखा गया है, जो बच्चे के लिए जरूरी होती हैं।

बायोपिक बनने की बात पर छलका मिथुन चक्रवर्ती का दर्द बोले मैं नहीं चाहता कि

मिथुन चक्रवर्ती हिंदी सिनेमा के दिग्गज अभिनेताओं में से एक हैं, जिन्होंने भारतीय फिल्म जगत को कई शानदार फिल्में दी हैं। उनका सिनेमा में उत्कृष्ट योगदान रहा है और वह अपनी मेहनत के बल पर संघर्ष करते हुए आगे बढ़े हैं। अब तक कई कलाकारों की बायोपिक बनने की बात हो चुकी है, ऐसे में उनकी बायोपिक बनने की बात होना लाजिमी है। हालांकि मिथुन चक्रवर्ती नहीं चाहते हैं कि उनकी जिंदगी पर आधारित कोई फिल्म बने। उन्होंने खुद इसकी वजह भी बताई।दरअसल टीवी के मशहूर सिंगिंग रियलिटी शो श्सा रे गा मा पा लिटिल चौंपश में डिस्को किंग एपिसोड में अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती ने अपने संघर्ष के दिनों को याद किया और उन्होंने कहा कि वह नहीं चाहते जैसे दिन उन्होंने देखे वैसे कोई और देखे। साथ ही उन्होंने बॉलीवुड इंडस्ट्री में डेब्यू से पहले शुरुआती दिनों के बारे में भी कई बातें बताते हुए यह भी खुलासा किया कि वह क्यों नहीं चाहते कि उनकी बायोपिक बने।शो में बात करते हुए मिथुन चक्रवर्ती ने कहा– मैं कभी नहीं चाहता कि कोई भी मेरे जीवन से गुजरे, हर किसी ने संघर्ष के दिन देखें हैं लेकिन मुझे मेरी त्वचा के रंग की वजह से अपमानित करने की कोशिश की गई। कई साल तक मेरी त्वचा की वजह से अपमान किया गया। मैंने कई ऐसे दिन देखे हैं जब मुझे खाली पेट सोना पड़ता था और खुद मैं सोने के लिए रोता था।इसी के साथ अभिनेता मिथुन ने बताया कि ऐसे दिन भी होते थे जब उन्हें यह पता नहीं होता था कि अगला खाना क्या होगा और कहां सोयेंगे, इसके लिए भी सोचना पड़ता था। उन्होंने आगे कहा कि कई बार वह फुटपाथ पर भी सोए और यही वजह कि मिथुन चक्रवर्ती नहीं चाहते कि उनकी बायोपिक बने या उनकी जिंदगी पर आधारित कोई फिल्म बने, क्योंकि उनका कहना है कि यह किसी को प्रेरित नहीं करेगी बल्कि उन्हें मानसिक रूप से तोड़ देगी। इसके साथ ही उन्होंने सेट पर कहा कि सभी अपने सपनों को पूरा करने के लिए खूब प्रयास करें मैं कर सकता हूं तो कोई भी कर सकता है।

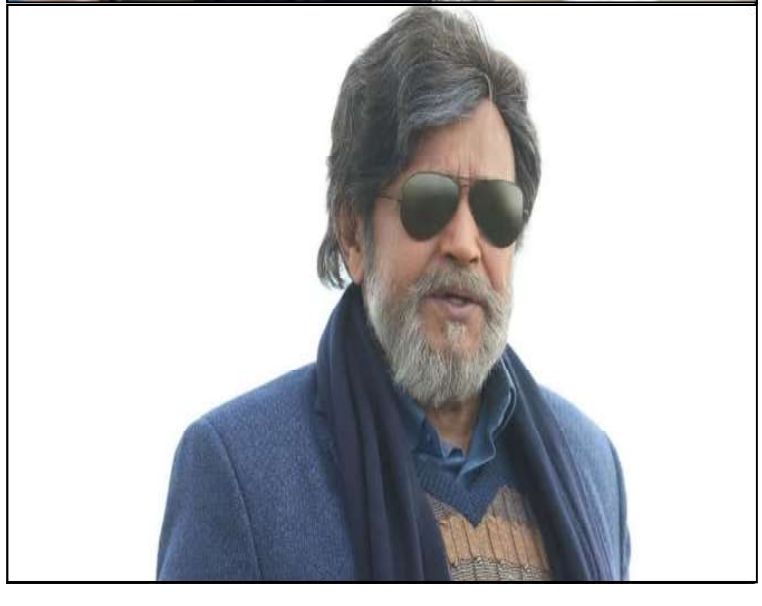

झुग्गी झोपड़ी
सत्वाधिकार, मुद्रक एवं प्रकाशक संजय कुमार यादव द्वारा रमा प्रिंटिंगप्रेस 53/25/1ए, बेली रोड नया कटरा प्रयागराज से मुद्रित रहीमाबाद पोस्ट कटहुला गौसपुर जिला प्रयागराज तहसील सदर से प्रकाशित
सम्पादक
संजय कुमार यादव
RNINo.: UPHIN/2015/63182
दूरभष : 0532–2618074
मोबाईल : 9918366626
डाक पंजिकृत ए/बी 123/21.23
e-mail: Jhuggijhopari@gmail.com
Website- www.Jhuggijhopari.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदाई तथा इन से उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा